अल्पना एडवरटाईजिंग एजेंसी
1/44 व्यास कालोनी नागौर
सभी समाचार पत्रों के विज्ञापन बुक किए जाते है।
मो:8233244421, 9414244421

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 37 | अंक 121 | नागौर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | प्रातःकालीन संस्करण | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ : 8 मूल्य : एक रु.

अल्पना एडवरटाईजिंग एजेंसी
1/44 व्यास कालोनी नागौर
सभी समाचार पत्रों के विज्ञापन बुक किए जाते है।
मो:8233244421, 9414244421

जोधपुर की कायलाना झील में युवक का शव मिला पेज 8

मारपीट से परेशान पत्नी ने पति को मार डाला.. पेज 6

पुष्कर, अजमेर, नोखा, बीकानेर, बावड़ी, जोधपुर, मकराना, परबतसर, नावां, कुचामन, लाडनूं, डेगाना, मेड़तासिटी, कुचेरा, मूंडवा, डीडवाना, जायल, खींवसर में प्रसारित।

चिकित्सा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी व ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों ने किए निरीक्षण

(नगर संवाददाता)

नागौर, 13 फरवरी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का सघन एवं औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी सहित विभाग के अन्य जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर नियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट ली तथा लक्ष्य अनुसार कार्य पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को सीएचओ सॉफ्ट के संबंध में भी जानकारी दी गई तथा रिपोर्टिंग प्रणाली को समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने राजकीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर दुकोसी, ईंदास एवं टांकला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने यहां आयोजित एमसीएचएन डे पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य गतिविधियों तथा टीकाकरण सेवाओं का अवलोकन किया। टीकाकरण के लिए आई गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आईईसी विभाग की अभिनव पहल यूट्यूब चैनल गर्भ की पाठशाला के बारे में जानकारी दी गई। इसी प्रकार जिले के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीशराम चौधरी ने राजकीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर अठियासन, भड़ाणा, खैण एवं फिरोजपुरा का निरीक्षण किया। जिले के उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकिशोर सारण ने राजकीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर मिठड़िया, किरोदा, हबचर एवं बामना का निरीक्षण किया। डॉ. सारण ने एनसीडी स्क्रीनिंग, आयुष्मान केवाईसी, कार्ड वितरण, स्पर्श लेप्रोसी जागरूकता अभियान सहित अन्य कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट लेते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सोनी एवं एपिडेमियोलॉजिस्ट साकिर खान ने राजकीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर सींगड़, गोगेलाव, चुंटीसरा एवं मकोड़ी का निरीक्षण कर वहां संचालित विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट ली। निरीक्षण के दौरान एफसीएलओ सादिक त्यागी भी उपस्थित थे।

इसके अतिरिक्त खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा कार्मिक संस्थानों में मौजूद पाए गए।

युवक की संदिग्ध मौत पर परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

(नगर संवाददाता)

नागौर, 13 फरवरी। रियांबड़ी के पास सुरियास गांव में हनुमान नाथ नामक युवक की अजमेर राजकीय अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने पहले उसके साथ मारपीट की और फिर उसे जबरन जहर पिला दिया, जिससे उसकी मृत्यु हुई। परिजनों के अनुसार, शुभम नामक एक युवक हनुमान को बेहोश हालत में उसकी गाड़ी में गेट के बाहर छोड़कर चाबी उसकी मां को देकर चला गया। जब हनुमान की मां ने शुभम से उसे अस्पताल ले जाने को कहा, तो उसने मना कर दिया। इसके बाद परिजन स्वयं उसे अजमेर राजकीय अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि हनुमान के शरीर पर चोट के निशान भी हैं, परिवार ने पादूकलां थाने में कुछ लोगों के खिलाफ गला घोंटकर और जहरीला पदार्थ पिलाकर हनुमान नाथ की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हनुमान नाथ का शव वर्तमान में अजमेर राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा का आगाज

नागौर में 159 परीक्षा केन्द्रों पर 50 हजार से ज्यादा विद्यार्थी हुए उपस्थित

(नगर संवाददाता)

नागौर, 13 फरवरी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की साल 2026 की मुख्य परीक्षाओं का जिले सहित पूरे प्रदेश में विधिवत शुभारंभ हो गया। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की आवाजाही शुरू हो गई।

जिले के 159 परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन की सख्त निगरानी में कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। शिक्षा विभाग के अनुसार नागौर जिले में इस साल कुल 50,303 स्टूडेंट्स बोर्ड परीक्षा दे रहे हैं। इनमें कक्षा 10वीं के 23,024 और कक्षा 12वीं के 27,279 परीक्षार्थी शामिल हैं। सभी केंद्रों पर सुबह 8.30 बजे परीक्षा शुरू हुई, जबकि विद्यार्थियों को समय से पहले केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए इस बार कड़े इंतजाम किए गए हैं।

परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली गई। आईडी कार्ड और प्रवेश पत्रों की बारीकी से जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। नकल की किसी भी संभावना को रोकने के लिए संवेदनशील केंद्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है। जिला शिक्षा विभाग द्वारा गठित उड़नदस्तों ने परीक्षा शुरू होते ही निरीक्षण शुरू कर दिया। टीमें लगातार विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत केंद्रों के बाहर पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए केंद्र अधीक्षकों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा के पहले दिन अभिभावकों में भी खास उत्सुकता देखी गई। कई अभिभावक अपने बच्चों को परीक्षा केंद्र तक छोड़ने पहुंचे और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते नजर आए।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से लेपर्ड की मौत

(नगर संवाददाता)

नागौर/डीडवाना, 13 फरवरी डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन सिटी में मेगा हाईवे बाईपास पर भेरूं तालाब के पास रात करीब 11 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से एक लेपर्ड की मौत हो गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पशु चिकित्सालय में रखवाया। सुबह पोस्टमार्टम के बाद प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया जाएगा। वन विभाग के अनुसार लेपर्ड संभवत: पानी पीने या भोजन की तलाश में तालाब की ओर आया होगा। इसी दौरान वह मेगा हाईवे पार करते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक मृत लेपर्ड की उम्र करीब दो वर्ष आंकी गई है। रात में सड़क पर लेपर्ड का शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। हादसे के बाद क्षेत्र में लेपर्ड की मौजूदगी को लेकर लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अरावली पहाड़ियों और आसपास के जंगलों में पिछले कुछ दिनों से तीन लेपर्ड होने की चर्चा है। सहायक वनपाल ज्ञानाराम सोउ ने बताया कि इस क्षेत्र में पहले कभी लेपर्ड का मूवमेंट दर्ज नहीं हुआ था। हालांकि इस घटना के बाद इसकी पुष्टि हो गई है कि क्षेत्र में लेपर्ड की मौजूदगी है। परबतसर से लेकर कुचामन तक फैले विस्तृत पहाड़ी और वन क्षेत्र में अन्य लेपर्ड होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विभाग अब क्षेत्र में ट्रैकिंग और निगरानी बढ़ाएगा। हालांकि अब तक किसी शिकार या हमले की बड़ी घटना सामने नहीं आई है, लेकिन लेपर्ड के मूवमेंट ने वन विभाग और स्थानीय लोगों दोनों को सतर्क कर दिया है।

जनगणना के प्रथम चरण के प्रशिक्षण का आगाज

(नगर संवाददाता)

नागौर, 13 फरवरी जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानों की गणना तथा मकान सूचीकरण की तैयारियों के क्रम में जिला, तहसील व नगर चार्ज अधिकारियों के नियमित सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कृषि महाविद्यालय में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण में उप जिला जनगणना अधिकारी रामकुमार राव तथा जनगणना चार्ज अधिकारियों के नियमित सहायक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण निदेशालय के दक्ष प्रशिक्षक दौलतराम गांधी तथा सतीश बसंदानी द्वारा प्रदान किया। प्रशिक्षण में जनगणना के इतिहास तथा भावी जनगणना की तैयारियों के क्रम में विस्तार से बताया गया। जगनणना 2027 पूर्ण रूप से डिजिटल जगनणना होगी जिसमें प्रगणक द्वारा घर-घर डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप पर मकान गणना से संबंधित प्रश्न पूछकर उतर दर्ज किए जाएंगे। साथ ही पूरी जगणना प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से संचालित तथा निगरानी भी पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी। साथ ही आगामी जनगणना में स्वगणना पोर्टल भी क्रियाशील होगा।

जिसके माध्यम से आमजन अपने मकान से संबंधित विवरण ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। आमजन द्वारा पोर्टल पर सूचना दर्ज करने के बाद पोर्टल पर उन्हें एक कोड नम्बर प्राप्त होगा जिसे उनको जगनणना करने आए प्रगणक को दिखाने पर प्रगणक द्वारा उस कोड नम्बर को पोर्टल पर दर्ज करते ही उस परिवार की दर्ज सारी जानकारी प्रगणक को प्रदर्शित हो जाएगी जिसे प्रगणक द्वारा वेरीफाई किया जाएगा।

रूणिजा पंचायत के प्रशासक पर जानलेवा हमला, बेकरी में घुसकर बचाई जान

(नगर संवाददाता)

नागौर/परबतसर, 13 फरवरी। नागौर के परबतसर थाना क्षेत्र में रुणिजा ग्राम पंचायत के वर्तमान प्रशासक पोकर राम डारा पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने कार से रास्ता रोककर लाठी, सरिए और धारदार हथियारों से हमला किया और गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की। जानकारी के अनुसार, शाम करीब साढ़े छह बजे प्रशासक पोकर राम डारा अपनी फैक्ट्री से वापस डारापुरा लौट रहे थे। इसी दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास आरोपियों ने अपनी कार उनकी गाड़ी के आगे अड़ा दी और रास्ता रोक लिया। पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार हमलावरों में रामेश्वर, छोटूराम और लोकेंद्र शामिल थे। तीनों लाठी, सरिए और धारदार हथियारों से लैस होकर पहुंचे और पोकर राम की गाड़ी में तोड़फोड़ करते हुए उन पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद मनोज चौधरी, विशाल मेघवाल और गजू चौधरी ने बीच-बचाव किया। इसके बाद पोकर राम भागकर पास ही स्थित रिद्धि-सिद्धि बेकरी में घुस गए और अपनी जान बचाई। घटना के बाद आरोपी कार लेकर मौके से फरार हो गए।

परबतसर पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126(2) और 324(4) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार को सौंपी गई है। प्रारंभिक जानकारी में सरपंच पोकर राम और आरोपियों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चलने की बात सामने आई है, जिसे हमले की वजह माना जा रहा है।

सर्व जातीय सामूहिक विवाह 8 मार्च को, कोठारी को मिली अध्यक्ष की जिम्मेदारी

(नगर संवाददाता)

नागौर, 13 फरवरी सेवा भारती समिति नागौर द्वारा आगामी 8 मार्च को आयोजित होने वाले श्री राम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित नागरिक गौतम कोठारी को कार्यक्रम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समिति की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि गौतम कोठारी लंबे समय से सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन में यह भव्य आयोजन और अधिक सुव्यवस्थित एवं सफल रूप से संपन्न होगा। समिति द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि सामूहिक विवाह सम्मेलन की शेष समिति एवं पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा 16 फरवरी को माली समाज भवन, डीडवाना रोड नागौर में आयोजित बैठक में की जाएगी। गौरतलब है कि सेवा भारती समिति द्वारा प्रतिवर्ष सर्वजातीय सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाता है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के जरूरतमंद जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न कराया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना तथा विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम करना है।

ट्रैक्सी ड्राइवर ने होमगार्ड जवान से की हाथापाई

जोधपुर, 13 फरवरी। जोधपुर में ट्रैक्सी ड्राइवर की ओर से होमगार्ड जवान के साथ हाथापाई करने का मामला सामने आया है। शहर के त्रिपोलिया बाजार में हुई इस घटना से ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। एक वीडियो भी सामने आया है। मामला सदर बाजार थाना क्षेत्र का है। त्रिपोलिया बाजार रोड पर एक टैक्सी ड्राइवर ने सड़क पर टैक्सी खड़ी कर दी। इससे जाम लग गया। ऐसे में होमगार्ड जवान ने उसे टैक्सी हटाने को कहा। इस पर टैक्सी ड्राइवर बहस करने लग गया और टैक्सी नहीं हटाने को लेकर अड़ गया। इस दौरान किसी ने इस घटना से जुड़ा वीडियो बना दिया। होमगार्ड जवान ने पुलिस को इसकी सूचना दी। थाना अधिकारी मानक राम ने बताय कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और टैक्सी ड्राइवर को थाने लेकर आई।

जीवन में उतारने से चरित्र की सार्थकता-लक्ष्मणदास महाराज

(नगर संवाददाता)

नागौर, 13 फरवरी चरित्र केवल पढ़ने से नहीं उसे जीवन में उतारने से उसकी सार्थकता है। केवल सोचने मात्र से कुछ नहीं होता, उसके लिए कर्म और भक्ति ही मार्ग है।

नागौर में शिव चरित्र कथा तथा शिव पार्वती विवाहोत्सव आयोजन के दौरान अपने प्रवचन में श्री राम सेवा आश्रम वृंदावन के सन्त लक्ष्मण दास महाराज ने ये बात कही।

उन्होंने शिव और राम के आपसी स्नेह और आदर के चरित्र के साथ अनन्य भक्ति और नाम जप का महत्व बताया। उन्होंने कहा सौ काम छोड़ भोजन करना, हज़ार काम छोड़ कर स्नान करना, लाख काम छोड़ दान और करोड़ काम छोड़ भगवान भक्ति करना चाहिए। उन्होंने प्रेम के महत्व पर कहा प्रेम में कपट हो तो प्रेम खत्म हो जाता है जैसे दूध में जल मिलने पर दूध ही हो जाता है लेकिन कपट की खटाई दूध और पानी को अलग कर देते हैं। संगीत और भजनों के साथ प्रसंगों के साथ सरल प्रस्तुतिकरण ने भक्तों को भावविभोर कर दिया। आयोजन मंडल के अशोक कल्ला ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत को प्रातः गणेश पूजन, षोडश मातृका पूजन और नवग्रह पूजन के साथ हुई। पंडित बलभद्र के सानिध्य में यजमान ओमप्रकाश राजेश मूथा, आनंद सरोज पुरोहित, विमलेश ललिता व्यास, रवि कुमुदनी पुरोहित ने विधि-विधान से पूजन किया। दोपहर एक बजे लोहियों के चौक से मूथों की बारी, व्यासों की पोल, लोढ़ों का चौक, दफ्तरियों की गली होते हुए लक्ष्मण दास महाराज के साथ शिव पुराण सिर पर उठाकर भक्त शोभायात्रा के रूप में कार्यक्रम स्थल पुष्टिकर पंचायत भवन पहुंचे। रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया। दोपहर दो से पाँच बजे तक चली कथा के बाद सत्संग और आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। चार दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत दूसरे दिन पार्वती जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की फ्लाइट गो-अराउंड

जयपुर, 13 फरवरी। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार दोपहर एयर इंडिया की मुंबई-जयपुर फ्लाइट 2781 की लैंडिंग फेल होने से पैंसजर्स में दहशत फैल गई। पायलट टचडाउन से ठीक पहले फ्लाइट को दोबारा हवा में ले गया। करीब 12 मिनट बाद दूसरे प्रयास में फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग हो पाई। वहीं इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में देरी को लेकर सांसद बेनीवाल ने केंद्र सरकार से एयरलाइंस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दरअसल, एयर इंडिया की मुंबई से जयपुर आ रही फ्लाइट ने दोपहर 1 बजकर 50 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया था। इस दौरान पायलट ने दोपहर 1 बजकर 53 मिनट पर टचडाउन से ठीक पहले विमान को दोबारा आसमान में ले गया।

भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद के भर्ती शिविर 20 फरवरी तक

(नगर संवाददाता)

नागौर, 13 फरवरी। भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में एसआईएस सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर नीमच के द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी के लिए भर्ती शिविरों का आयोजन 12 फरवरी से 20 फरवरी तक एस एस ऐजुकैशन ग्रुप, ग्रीन हॉउस, बडली रोड नागौर में 12 फरवरी को मुण्डवा व जायल, 13फरवरी को खीवसर व डेह, 14फरवरी को मेडता व डेगाना, 16 फरवरी को नागौर व जायल, 17फरवरी को मूण्डवा व खीवसर, 18फरवरी को डेह व डेगाना, 19 फरवरी नागौर व मेड़ता, 20 फरवरी को समस्त नागौर राजस्थान के युवाओ की भर्ती आयोजित होंगे। किसी भी तहसील के अभ्यर्थी इस भर्ती मे भाग ले सकते हैं भर्ती केम्प का समय प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 4 बजे तक रहेगा। कमांडेंट कार्यालय नीमच से महिपाल सिह ने बताया कि सुरक्षा जवान के लिए 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण बेरोजगार युवा की उम्र 19 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अभ्यर्थी की ऊंचाई 168 से 170 सेमी एवं वजन 55 से 90 किलोग्राम होना आवश्यक है। अभ्यर्थी अपनी 10 वीं व 12 वीं सहित समस्त शैक्षिक एवं प्रशैक्षिक योग्यता की अंकसूची, आधार कार्ड, पेन कार्ड की फोटोकॉपी एवं एक पासपोर्ट साईज फोटो व 350/- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुल्क के साथ भर्ती कैम्प में उपस्थित होकर आवेदन कर सकते है। चयनित युवाओं को एक माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके पश्चात प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के साथ भारत सरकार एवं राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रो में जैसे जोधपुर एम्स,जोधपुर आईटीआई, बाड़मेर माइंस, जेके सीमेंट निंबाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ किला, कुंभलगढ़ किला, जे के सीमेंट नाथद्वारा, जे के राजसमंद, डबॉक एयरपोर्ट,जेसीबी जयपुर, ताज होटल ग्रुप, जाबर माइंस, सिंघानिया यूनिवर्सिटी उदयपुर, राफेल होटल गुप,मारुति गुजरात, हिंदुस्तान जिंक, मेट्रो, एयरपोर्ट,जेके लक्ष्मी सीमेंट जैतारण, अस्पताल,धार्मिक स्थल, ऐतिहासिक धरोहरों के साथ निजी क्षेत्र में नियुक्ति दी जाएगी।

सुरक्षा जवान को 14 हजार से 25 हजार, सुरक्षा सुपरवाईजर को 18 हजार से 28 हजार व सुरक्षा अधिकारी को 28 हजार से 40 हजार तक मासिक वेतन के साथ 65 वर्ष तक स्थाई नौकरी प्रदान की जाएगी।

इसके साथ ही पीएफ , पेंशन, जीवन बीमा, मेडिकल, सालाना वेतन में वृद्धि, प्रमोशन, आवास एवं मेस आदि सुविधाएं भी दी जाएगी।

कोटा मंडल में महाप्रबंधक का व्यापक निरीक्षण, सुरक्षा एवं संरक्षा पर विशेष जोर

आधुनिक प्रशिक्षण संस्थान व डिजिटल निरीक्षण प्रणाली का शुभारंभ, ट्रैकमैन, यात्रियों व व्यापारियों से सीधा संवाद

कोटा। पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने आज कोटा मंडल का व्यापक निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कालरा सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधोसंरचना विकास, कार्य गुणवत्ता, यात्री सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा एवं संरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण की शुरुआत नवस्थापित मंडल बहु-विषयक प्रशिक्षण संस्थान (एमडीटीआई), कोटा के उद्घाटन से हुई। यह संस्थान रेल कर्मचारियों के कौशल उन्नयन, परिचालन दक्षता तथा सुरक्षित कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। वर्तमान में परिचालन तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो चुके हैं। संस्थान में 48 बेड की आवासीय सुविधा एवं भोजनालय की व्यवस्था उपलब्ध है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित होगी। सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित डिजिटल निरीक्षण प्रबंधन मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया गया। यह ई-निरीक्षण प्रणाली निरीक्षण टिप्पणियों के सृजन, अनुपालना की निगरानी तथा समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने में सहायक होगी। इससे जवाबदेही बढ़ेगी तथा सुरक्षा मानकों के पालन में पारदर्शिता और दक्षता आएगी। महाप्रबंधक ने कोटा स्थित विस्तारित यंत्रीकृत लॉन्ड्री का निरीक्षण करते हुए वातानुकूलित कोचों की लिनेन धुलाई प्रक्रिया का अवलोकन किया और स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों के पालन पर संतोष व्यक्त किया। इसके पश्चात उन्होंने न्यू कोटा रेलवे स्टेशन तथा रामगंज मंडी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना अंतर्गत प्रगति कार्यों का निरीक्षण किया। स्टेशन भवन, यार्ड, प्वाइंट संख्या 132 एवं क्रॉसिंग के मानकों की जांच की गई। इस दौरान महाप्रबंधक ने ट्रैकमैन कर्मचारियों से सीधा संवाद किया और उनसे कार्यस्थल पर उपलब्ध सुरक्षा उपकरणों, संरक्षा उपायों एवं कार्य परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने ट्रैक रखरखाव में संलग्न कर्मचारियों की भूमिका को रेलवे सुरक्षा की रीढ़ बताते हुए संरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन के निर्देश दिए।

झालावाड़ सिटी तथा झालरापाटन रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान विद्युत आपूर्ति प्रणाली, ट्रांसफर सब स्टेशन, आईपीएस कक्ष, बैटरी कक्ष एवं सिग्नल व्यवस्था की समीक्षा की गई। आईपीएस कक्ष में अग्नि सुरक्षा अलार्म प्रणाली की कार्यप्रणाली की भी जांच की गई। झालरापाटन में गुड्स लोडिंग लाइन का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने हाल ही में डी-ऑयल्ड केक की पहली रैक लोडिंग के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय व्यापारियों से चर्चा कर माल परिवहन की सुविधा, समयबद्धता एवं सुरक्षा व्यवस्था के विषय में फीडबैक प्राप्त किया। साथ ही स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों से संवाद कर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा एवं संरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में सुझाव लिए।

निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री ललित कुमार धुरंधर एवं श्री योगेश कुमार मित्तल, मुख्य परियोजना प्रबंधक (जीएसयू) श्री सौरभ मिश्रा सहित अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर महाप्रबंधक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग सुरक्षा एवं संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता, समयबद्ध कार्य निष्पादन तथा यात्री एवं ग्राहक हितों को केंद्र में रखकर कार्य करें

डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की मांग

श्रीमाधोपुर। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाअंबेडकर पार्क वार्ड 21 में स्थापित कराने की मांग को लेकर बुधवार को डॉ. अंबेडकर जन जागृति संस्थान व सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने नपा ईओ अशोक जाखड़ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि इससे सामाजिक समरसता व संविधान के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान संस्थान अध्यक्ष भोजराज वर्मा, भाजपा एससी मोर्चा शहर अध्यक्ष रामावतार महरड़ा, एसटी मोर्चा अध्यक्ष अशोक कुमार मीणा, मुकेश जिलोवा, मुकेश छिछोलिया, सुनील महरड़ा, सुभाष गोठवाल सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल बेस्ट रोड सेफ्टी क्लब अवॉर्ड से सम्मानित

उदयपुर। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने में महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल सदैव अग्रणी रहा है। इसी क्रम में आधार फाउंडेशन ट्रस्ट के सौजन्य से गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में आयोजित रोड सेफ्टी क्लब के भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय को बेस्ट रोड सेफ्टी क्लब अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विद्यालय के मानद निदेशक श्री सतीश कुमार शर्मा ने ग्रहण किया। वहीं परिधि सेठी एवं लीन गिरी गोस्वामी को एक्टिव पार्टिसिपेंट्स ट्रॉफी प्रदान की गई।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान क्लब इंचार्ज सुश्री विभा शर्मा एवं श्री सुबोध शर्मा के मार्गदर्शन में एमएमपीएस के विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा एवं ट्रैफिक नियमों पर आधारित एक विचारोत्तेजक पैरोडी प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

नरेश शर्मा राष्ट्रीय महासचिव एवं मनीष तिवारी राष्ट्रीय सचिव मनोनीत

उदयपुर। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज की सर्वोच्च संस्था अखिल भारत वर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी व प्रधानमंत्री प्रधुमन जोशी ने उदयपुर निवासी नरेश शर्मा को राष्ट्रीय महासचिव एवं मनीष तिवारी को राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया है। आप दोनों विगत कई वर्षों से महासभा से जुड़े हुए है एवं समाज सेवा में अनवरत लगे हुए है। इसी के साथ नरेंद्र त्रिपाठी राष्ट्रीय प्रचार मंत्री एवं धरनीधर तिवारी राष्ट्रीय सचिव, विनोद क्षोत्रिय कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किए गए है।

राजेश पायलट की जयंती पर दिव्यांग सामग्री वितरण शिविर में शामिल हुए डॉ सुमीत गर्ग

सवाई माधोपुर। राजेश पायलट जी की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट के नेतृत्व में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय दिव्यांग सामग्री वितरण शिविर में राजस्थान कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं महासचिव डॉ सुमीत गर्ग भी सम्मिलित हुए। डॉ गर्ग ने बताया कि इस अवसर पर सचिन पायलट एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक पद्मश्री डॉ. डी. आर. मेहता भी मौजूद रहे। डॉ गर्ग ने कहा कि राजेश पायलट जी की जयंती के अवसर पर यह आयोजन केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि दिव्यांग जनों को आत्मनिर्भर, सशक्त बनाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की एक सशक्त पहल है। ऐसे मानवीय और संवेदनशील प्रयास निश्चय ही समावेशी समाज की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 55 लोगों का बीएमडी टेस्ट

श्रीमाधोपुर। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर व जल बचाओ, पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ समिति द्वारा बुधवार को बोन मैरो डेंसिटी (बीएमडी) निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 55 लोगों का बीएमडी टेस्ट किया जाकर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर संयोजक डॉ. माधव सिंह ने बताया कि शिविर में उपस्थित लोगों को बीएमडी जांच की सहायता से आस्टियोपोरोसिस की पहचान, फ्रैक्चर की पहचान और इसके जोखिम को कम करने हेतु आवश्यक परामर्श दिया गया। यह शिविर हर महीने में दो बार आयोजित किया जाता है।

संत महात्माओं के सानिध्य में हुआ 252 फीट लड्डू गोपाल की प्रतिमा स्थापना का नींव का मुहूर्त

सैकड़ो संत महात्मा व हजारों श्रद्धालु बने इस ऐतिहासिक पहल के साक्षी

खाटूश्यामजी। कस्बे की प्रसिद्ध बाबा श्याम की धार्मिक नगरी में खाटूधाम के हनुमानपुरा रोड़ स्थित श्री गणराज ग्रुप द्वारा विकसित नंद धाम परिसर में विश्व की सबसे ऊंची 252 फीट अष्टधातु से निर्मित लड्डू गोपालजी की भव्य प्रतिमा के निर्माण की नींव का मुहूर्त लगाया गया। शुभ मुहूर्त में महंत श्याम दास त्यागी महाराज, महंत शनत कुमार शरण महाराज, हीरा पुरी महाराज, बलदेवाचार्य महाराज, मनोहर शरण दास महाराज पलसाना, महंत ओम दास महाराज सांगलिया पीठ, भजन सम्राट एवं संत प्रकाश दास महाराज सहित सैकड़ों साधु-संतों के सानिध्य में विधिवत नींव पूजन संपन्न हुआ।

साधु-संतों के सानिध्य में विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नींव पूजन संपन्न हुआ। नींव पूजन के पश्चात विशाल संत समागम का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न संत-महात्माओं ने सहभागिता निभाई। संतों के प्रवचनों और भजनों से पूरा परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। संत-महात्माओं ने अपने उद्बोधनों में कहा कि लड्डू गोपालजी की यह दिव्य प्रतिमा सनातन संस्कृति, बाल स्वरूप की भक्ति और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक बनेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था, संस्कार और भक्ति का प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगी। साधु-संतों ने यह भी कहा कि नंदधाम परिसर में निर्मित हो रही यह विश्व की सबसे ऊँची लड्डू गोपालजी प्रतिमा खाटूश्यामजी को केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी वैश्विक पहचान दिलाएगी।

आयोजकों के अनुसार नंदधाम और लड्डू गोपालजी की यह अलौकिक प्रतिमा खाटूधाम को विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करेगी। श्री गणराज ग्रुप के सीईओ राजेंद्र सांखला, भारत सांखला एवं ग्रुप के सदस्य मदन सिंह गोगावास, डॉ नरेंद्र सोनी, प्रभु सिंह शेखावत सहित सभी सदस्यों ने माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर एवं लड्डू गोपाल का प्रतीक चिन्ह देखकर स्वागत सम्मान किया गया। संत समागम के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-समाज और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वैश्य सैना अंधविश्वासों के खिलाफ जानजागृति अभियान एवं आर्थिक रूप से पिछड़ों की लडाई लडे -' यश' ओउमाश्रय सेवा धाम में संकल्प यज्ञ में आहुतियां दीं नये सदस्यों का हुआ स्वागत।

जयपुर। वैश्य सेना राजस्थान का नव सदस्य सम्मान समारोह सामाजिक सेवा कार्यों में भागीदारी अंधविश्वासों के खिलाफ जानजागृति अभियान तथा आर्थिक रूप से पिछड़ों की लडाई हेतु शिव संकल्प यज्ञ में आहुतियां देकर निराश्रित जन सेवार्थ ओउमाश्रय सेवा धाम में सम्पन्न हुआ। वैश्य सेना प्रमुख राजेंद्र मित्तल ने बताया कि इस अवसर पर वैदिक चिंतक ओउमाश्रय संस्थापक यशपाल यश के वृह्मत्व में शिव संकल्प यज्ञ हुआ।यश ने कहा कि वैश्य सेना जैसे संगठन ऋृत्र धातु से बने यज्ञ शव्द के अर्थ दान संगतिकरण देव पूजा में से एक संगतिकरण रूप हैं। वैश्य सेना सामाजिक सेवा कार्यों में भागीदारी अंधविश्वासों के खिलाफ जानजागृति अभियान तथा आर्थिक रूप से पिछड़ों की लडाई हेतु संकल्पित हो। समाजसेवी गोविंद अग्रवाल एवं डॉ प्रमोद पाल ने सभी नव सदस्यों को प्रतीक चिह्न गणेश जी की मूर्ति भेट की अतिथि सुनील उदैया एव अनिल चतुर्वेदी ने सभी सामान्य वर्ग को एक साथ रहकर समाज प्रगति में सहयोग का संकल्प कराया। संस्था के लगभग सत्तर सदस्यों डॉ मुकेश गुप्ता ,केशव गुप्ता ,विवेक सेकड़ा ,रिंकू अग्रवाल ,आदि ने ओमाश्रय सेवाश्रम की भव्य यज्ञ शाला में आहुतियां देकर, प्रभुजी भोज एव गौ सेवा कर पुण्य लाभ लिया।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 55 लोगों का बीएमडी टेस्ट

श्रीमाधोपुर। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर व जल बचाओ, पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ समिति द्वारा बुधवार को बोन मैरो डेंसिटी (बीएमडी) निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 55 लोगों का बीएमडी टेस्ट किया जाकर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया।

शिविर संयोजक डॉ. माधव सिंह ने बताया कि शिविर में उपस्थित लोगों को बीएमडी जांच की सहायता से आस्टियोपोरोसिस की पहचान, फ्रै. र की पहचान और इसके जोखिम को कम करने हेतु आवश्यक परामर्श दिया गया। यह शिविर हर महीने में दो बार आयोजित किया जाता है।

आज का राशिफल

शुक्रवार 13 फरवरी, 2026

- **मेष :** आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अजनबी लोगों पर भरोसा करने से बचना होगा और यदि कोई सदस्य लंबे समय से नाराज चल रहा है, तो आप उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करेंगे।
- **वृष :** आज आपको थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके ऊपर कुछ समस्याएं आने की संभावना है। आप किसी से मांगकर वाहन न चलाएं, क्योंकि आपके साथ कोई दुर्घटना होने की संभावना है और किसी दूर रह रहे परिजन को आपकी याद सता सकती है।
- **मिथुन :** आज आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा और संतान किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकती हैं, जिसके लिए आपको पछतावा होगा। आपको अपने किसी कानूनी मामले में सावधान रहने की आवश्यकता है और परिवार में बड़े बुजुर्ग से आप किसी जरूरी मामले को लेकर बातचीत कर सकते हैं।
- **कर्क:** आज का दिन आपके लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आएगा। आपको अपनी कार्यक्षमता को पहचानकर काम करने होंगे, क्योंकि आप अपने आसपास रह रहे लोगों पर भरोसा ना करें। आपको भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा और संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।
- **सिंह :** आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपनी आय को ध्यान में रखकर व्यय करना बेहतर रहेगा, क्योंकि आपकी बेफिजूल के खर्चों की आदत के कारण आपके ऊपर कर्ज हो सकता है, जिसके कारण भी आपका खर्चा बढ़ेगा।
- **कन्या :** आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और आपको अपने साथियों का पूरा लाभ मिलेगा। आप काम से भी खुश रहेंगे। आप अपने माता-पिता की सेहत को लेकर थोड़ा एहियात बरतें। आप कोई प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आपको लोन अप्लाई भी कर सकते हैं, जो आपको आसानी से मिलेगा।
- **तुला :** आज आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पूरा ध्यान देना होगा, लेकिन आप बेवजह दिखावे में ना आएं और आप किसी से कोई बात बहुत ही तोलमोल कर बोले। परिवार में बड़े बुजुर्गों से आप काम को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं।
- **वृश्चिक:** आज का दिन आपके लिए किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए रहेगा। आपके सामने आज कुछ ऐसे खर्चे आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। कोई सरकारी काम यदि आपका पैंडिंग था, तो उसे पूरा करने की भी आप कोशिश करेंगे।
- **धनु :** आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। परिवार के सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा, आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें भी आपको सफलता मिलती दिख रही है। परिवार के सदस्यों का आना जाना लगा रहेगा, लेकिन आपके जीवनसाथी को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से माहौल रहेगा।
- **मकर:** आज का दिन नौकरीपेशा जातकों के लिए अच्छा रहने वाला है। मान-सम्मान वृद्धि होगी और आपको अपने घर परिवार में चल रही समस्याओं को दूर करने का मौका मिलेगा। पिताजी यदि आपको काम को लेकर कोई सलाह दें,तो उसके लिए थोड़ा सोच समझकर चलना होगा।
- **कुंभ :** आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा और आप अपने कामों और बुद्धि से काम करके लोगों को हैरान करेंगे। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी।
- **मीन :** आज आपको धन के मामले में कोई बड़ा जोखिम लेने से बचना होगा। आस-पास रह रहे लोगों से आपकी खूब पटेगी। राजनीति में कार्यरत लोग अपने कामों से एक नयी पहचान बनेगी। आप नए घर के काम की भी शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन फिर भी कोई आपसे धन उधार मांग सकता है, जिसके लिए आपको अपनी आंखों व कान खुले रखने होंगे।

एशियन लैक्रोज में भारत का परचम, उदयपुर के स्वर्ण पदक विजेताओं का सम्मान समारोह

उदयपुर, 13 फरवरी। रियाद (सऊदी अरब) में आयोजित एशियन लैक्रोज गेम्स में भारतीय टीम द्वारा महिला एवं पुरुष वर्ग में दोहरा स्वर्ण पदक जीतकर देश, प्रदेश और उदयपुर का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान का दौर निरंतर जारी है।

भारतीय लैक्रोज टीम में सम्मिलित राजस्थान के जनजातीय अंचल से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए राजस्थान माइन्स एंड मिनरल्स लिमिटेड (आरएसएमएमएल) द्वारा भव्य समारोह में सम्मानित किया गया।

महिला वर्ग में सुनीता मीणा, डाली गमेती, जुला कुमारी गुर्जर, यशिष्ठा बत्रा, यशोदा गमेती, मीरा दौजा, रोशनी बोस, जानवी राठौड़ एवं मुकन कुमारी गुर्जर और पुरुष वर्ग में मोहनलाल गमेती, खुमाराम गमेती, दयाशंकर गमेती, नारायण लाल गमेती एवं निशांत नागदा को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक नीरज बत्रा को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता आरएसएमएमएल की अध्यक्ष एवं संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने की। इस अवसर पर भारती राज, नरेश एलानिया, राजेंद्र राव, बी.एस. पत्राबत, नरेश श्रीमाली, आईटी निदेशक गिरिराज कथेरिया सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों का भव्य स्वागत कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षक नीरज बत्रा एवं खिलाड़ियों ने माननीय राज्यपाल तथा आरएसएमएमएल द्वारा समय-समय पर प्रदान की गई आवश्यक स्पॉन्सरशिप, संसाधन एवं सुविधाओं के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी देश के लिए श्रेष्ठ प्रदर्शन का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर एशियन लैक्रोज गेम्स के फाइनल मुकाबले में प्रयुक्त गेंद को ऐतिहासिक स्मृति के रूप में आरएसएमएमएल अध्यक्ष प्रज्ञा केवलरमानी को भेंट किया गया। समारोह में राजस्थान सरकार के सहयोग एवं आरएसएमएमएल की वित्तीय सहायता से निर्मित एक प्रेरणादायक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें जनजातीय क्षेत्र के खिलाड़ियों के प्रारंभिक संघर्ष से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक तक की प्रेरक यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। यह फिल्म युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है।

इसी क्रम में उदयपुर जिला कलेक्टर नमित मेहता, उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन, निदेशक जनसंपर्क गौरीशंकर शर्मा तथा जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने भी अपने-अपने कार्यालयों में खिलाड़ियों का अभिनंदन कर उन्हें सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। यह सम्मान समारोह न केवल खिलाड़ियों की असाधारण उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सरकारी सहयोग, सशक्त मार्गदर्शन और अथक परिश्रम से जनजातीय अंचल के युवा भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ा सकते हैं।

बीसीएमओ डॉ. चेतराम मीणा ने किया चिकित्सा संस्थाओं का निरीक्षण

एनसीडी स्क्रीनिंग, तंबाकू निषेध, स्पर्श कुष्ठ रोग कार्यक्रम एवं आभा आईडी बनाने पर दिया जोर

धौलपुर, 13 फरवरी। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी धौलपुर डॉ. चेतराम मीणा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कैथरी एवं नुनहेरा का निरीक्षण कर विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी व्यवस्था, दवा वितरण, प्रयोगशाला सेवाएं, स्टाफ उपस्थिति, संस्थान में साफ-सफाई तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. मीणा ने एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख, स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकाधिक व्यक्तियों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। सीएचओ एवं एएनएम द्वारा घर-घर सर्वे कार्य में तेजी लाई जाए तथा चिन्हित मरीजों का समय पर उपचार एवं नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्कूलों, ग्राम सभाओं एवं सामुदायिक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

तंबाकू छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को परामर्श एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी बल दिया, ताकि तंबाकू सेवन से होने वाले रोगों की रोकथाम की जा सके।

इस दौरान स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान के अंतर्गत सक्रिय रोगी खोज, प्रारंभिक पहचान एवं नि:शुल्क उपचार की निरंतरता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग पूर्णत: उपचार योग्य है, इसलिए किसी भी संदिग्ध लक्षण मिलने पर तत्काल जांच कर उपचार प्रारंभ किया जाए तथा मरीजों के प्रति किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए।

डॉ. मीणा ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत अधिक से अधिक मरीजों की आभा आईडी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आभा आईडी से मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे, जिससे भविष्य में उपचार प्रक्रिया सरल एवं सुगम होगी। प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले मरीजों को आभा आईडी के लाभों के प्रति जागरूक कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए आमजन को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाए।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

उदयपुर, 13 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने राज्य के युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना शुरू की है।

इस योजना का लक्ष्य सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से 1 लाख युवाओं को स्वरोजगार प्रदान करना है। हाल ही में पेश किए गए राजस्थान बजट 2026-27 में इस योजना पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके तहत 10 लाख रुपये तक के ऋण पर शत-प्रतिशत ब्याज और मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा दी जाएगी। सरकार की भावना के अनुरूप राजस्थान के युवा नौकरी लेने वाले के बजाय नौकरी देने वाले बनें, इसके लिए यह योजना मिल का पत्थर साबित हो सकती है।

मुख्य प्रावधान और लाभ- योजना का उद्देश्य युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराकर विनिर्माण, सेवा और व्यापार क्षेत्रों में नए उद्यम स्थापित करने या मौजूदा उद्यमों का विस्तार करने में मदद करना है। इसके तहत आठवीं से बारहवीं कक्षा पास आवेदकों को सेवा और व्यापार क्षेत्र में अधिकतम 3.5 लाख रूपए और विनिर्माण क्षेत्र में 7.5 लाख रूपए तक का ऋण मिल सकता है। स्नातक या आईटीआई प्रमाण पत्र धारकों और उच्च योग्यता वालों को सेवा और व्यापार क्षेत्र में अधिकतम 5 लाख और विनिर्माण क्षेत्र में 10 लाख तक का ऋण मिल सकता है। राज्य सरकार द्वारा परियोजना लागत पर मार्जिन मनी और शत-प्रतिशत ब्याज अनुदान प्रदान किया जाएगा।

यह है पात्रता- आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

आवेदक राजस्थान का मूल निवासी होना चाहिए।

आवेदक किसी भी वित्तीय संस्थान/बैंक का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए।

ऐसे करें आवेदन- योजना के लिए आवेदन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्रों को प्रस्तुत किए जा सकते हैं। योजना का क्रियान्वयन उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधीन जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है। आवेदन पत्रों की जांच और अनुमोदन के बाद, उन्हें ऋण स्वीकृति और वितरण के लिए वित्तीय संस्थानों को भेजा जाता है। योजना की निरंतर निगरानी ब्लॉक, जिला और राज्य स्तरीय बैंकर्स समितियों के माध्यम से की जाएगी।

नि:शुल्क अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर बना संजीवनी, सुधांशु सक्सैना का मिटा दर्द

धौलपुर, 13 फरवरी। आयुर्वेद विभाग द्वारा बिजौली में आयोजित नि:शुल्क अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा एवं आरोग्य शिविर कई मरीजों के लिए राहत का माध्यम बन रहा है। इसी क्रम में धौलपुर निवासी श्री सुधांशु सक्सैना को भी शिविर से उल्लेखनीय लाभ मिला और वे अब सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं।

सुधांशु सक्सैना पिछले कुछ समय से फ्रोजन शोल्डर (जमे हुए कंधे) की गंभीर समस्या से पीड़ित थे। कंधे में लगातार दर्द और जकड़न के कारण उनके लिए दैनिक कार्य जैसे कपड़े पहनना, हाथ ऊपर उठाना, सामान उठाना अथवा सामान्य गतिविधियां करना भी कठिन हो गया था। रात में दर्द बढ़ जाने से नींद भी प्रभावित हो रही थी। उन्होंने विभिन्न उपचार पद्धतियों का सहारा लिया, परंतु अपेक्षित राहत नहीं मिल पा रही थी।

इसी दौरान उन्हें आयुर्वेद विभाग द्वारा आयोजित नि:शुल्क शिविर की जानकारी मिली। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. त्रिलोक कुमार वर्मा द्वारा उनकी जांच कर समस्या का समुचित मूल्यांकन किया गया। चिकित्सक ने उन्हें एक्यूपंक्चर एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उपचार देने की सलाह दी।

शिविर में नियमित सत्रों के तहत एक्यूपंक्चर थेरेपी, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों तथा आवश्यक व्यायाम संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। इससे इनके कंधे के दर्द और जकड़न में उल्लेखनीय सुधार दिखाई देने लगा। हाथ की मूवमेंट पहले की तुलना में बेहतर हुई और दैनिक कार्य करने में आसानी होने लगी।

श्री सुधांशु सक्सैना ने बताया कि मैं लंबे समय से कंधे के दर्द से परेशान था। साधारण काम करना भी मुश्किल हो गया था। शिविर में मिले उपचार और चिकित्सकों के मार्गदर्शन से अब मुझे काफी राहत है। दर्द में कमी आई है और हाथ पहले से अधिक आसानी से उठने लगा है।

मैं राज्य सरकार और आयुर्वेद विभाग का आभारी हूं, जिन्होंने नि:शुल्क शिविर के माध्यम से मुझे नया आत्मविश्वास दिया।

यह सफलता कहानी न केवल आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की प्रभावशीलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि सरकारी स्तर पर आयोजित नि:शुल्क शिविर आमजन के लिए वरदान साबित हो रहे हैं।

EXECUTIVE ENGINEER PHED RURAL DIV 1st ALWAR (NCR)

HKM NAGAR ALWAR (RAJ.), E-Mail- eephedrd1-alw-rj@nic.in

No- 3217-25 Date: 02.02.2026

NOTICE INVITING BID (Nit No. 29-30/2025-26)

Bid for TW Mtc at Various RWSS and JJY Schemes under Sub Division Umrain and Malakhera Under Rural Division-I NCR Alwar are invited from interested bidders upto **05:00 PM** on Date **18.02.2026.** Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (**http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in**) of the state and **https://phedwater.rajasthan.gov.in** departmental website.

UBN:- PHE2526WSOB12797, PHE2526WSOB12806

DIPR/C/2415/2026 **Executive Engineer**

वेलेंटाइन डे की अनूठी पूर्व संध्या: दिगंबर जैन सोशल ग्रूप 'वर्धमान' ने बुजुर्गों के बीच मनाया 'सेवा दिवस'

कोटा, 13 फरवरी। प्रेम और स्नेह के वैश्विक पर्व 'वेलेंटाइन डे' (14 फरवरी) के उपलक्ष्य में दिगंबर जैन सोशल ग्रूप 'वर्धमान' ने दो दिन पूर्व ही एक अनूठी और प्रेरक पहल की। गुरुवार को झालावाड़ रोड स्थित करणी विकास वृद्धाश्रम में ग्रुप के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ आत्मीय समय बिताकर वेलेंटाइन डे को 'सेवा दिवस' के रूप में सेलिब्रेट किया। पाश्चात्य संस्कृति से ऊपर उठकर प्रेम का इजहार ग्रुप अध्यक्ष सीमा जैन बागड़िया ने बताया कि वेलेंटाइन डे आने वाला है, लेकिन हमने इसे पाश्चात्य संस्कृति के पारंपरिक तरीके से मनाने के बजाय समाज के उन आदरणीय बुजुर्गों के साथ मनाने का निर्णय लिया जो अपनों के स्नेह की बाट जोह रहे हैं। सदस्यों ने बुजुर्गों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ सुख-दुख साझा किए।

लाल और गुलाबी परिधानों में सजी सेवा की भावना कार्यक्रम की थीम के अनुसार, सभी सदस्य लाल, मैरून और गुलाबी परिधानों में सजे-धजे वृद्धाश्रम पहुँचे। आश्रम का पूरा माहौल प्रेम और उत्साह के रंगों में रंगा नजर आया। बुजुर्गों के चेहरों पर आई मुस्कान ने इस अग्रिम आयोजन को सफल बना दिया।

प्रमुख उपस्थिति- सचिव श्वेता जैन ने कहा कि सेवा ही सच्चा प्रेम है इसी ध्येय के साथ आज सभी दंपत्ति सदस्यों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम में कोटा के रीजन अध्यक्ष श्री अनिल जैन ठोरा एवं ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष श्री महावीर जैन बरमूंडा की विशेष उपस्थिति रही। कोषाध्यक्ष प्रियंका जैन धनोपिया ने बताया कि इस सेवा कार्य में समाज के कई सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अंत में सभी ने भविष्य में भी इसी तरह खुशियाँ बांटने का संकल्प लिया।

युवाओं के लिए संदेश इस पहल का उद्देश्य समाज में एक नई विचारधारा को जन्म देना और युवाओं को यह संदेश देना है कि असली प्रेम वही है जो दूसरों के जीवन में मुस्कान ला सके। आश्रम के बुजुर्गों ने भी भावविभोर होकर सभी को अपना आशीर्वाद दिया।

कार्यालय उप वन संरक्षक, बाघ परियोजना सरिस्का

पता:- अलवर-जयपुर रोड, सरिस्का-301022, ई-मेल: dcftp.srska.forest@rajasthan.gov.in, dcfsariska@gmail.com

क्रमांक: एफ( )भण्डार/बापस/2025-26/1769 **ई-टेण्डरिंग सूचना सं. 22/2025-26** दिनांक: 04.02.2026

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा बाघ परियोजना सरिस्का (अलवर) के अधीन वर्ष 2025-26 में निम्नानुसार सामग्री की आवश्यकता है। सामग्री आपूर्ति हेतु माल एवं सेवाकर (जीएसटी) पंजीकृत अनुभवी फर्मों से मोहरबंद निविदाएं दोहरी पद्धति से आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण विभाग की वेबसाइट **www.dipronline.org** व विभाग की वेबसाइट **https://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है। निविदा के विस्तृत नियम, शर्तें एवं माल/सेवा से संबंधित मात्रा/संख्या एवं विशिष्टियां आदि निविदा प्रपत्र में अंकित हैं।

सामग्री का नाम	संख्या	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि (2 प्र.श.)	निविदा शुल्क	MD RISL प्रोसेसिंग शुल्क	निविदा प्रपत्र डाउनलोड की प्रारंभ तिथि (सायं 04.00 बजे से)	निविदा प्रपत्र अपलोड की अंतिम तिथि (दोप. 12.00 बजे तक)	निविरदा खोलने की तिथि (दोप. 3.00 बजे तक)
Supply of iron tables-cum-benches for seating arrangement of School students	450	15.75	31500	500	500	04.02.2026	16.02.2026	17.02.2026

UBN No.: FOR2526GLOB05291, Mob: 9602797110

(अभिमन्यु सहारण, IFS)
उप वन संरक्षक
बाघ परियोजना सरिस्का

डीआईपीआर/सी/2696/2026

श्याम रंग में रंगेगा कोटा- 14 फरवरी को आयोजित होगा 30वाँ भव्य रंग-रंगीला फागोत्सव

कोटा, 13 फरवरी। श्री श्याम मित्र मण्डल संस्था रजि. कोटा द्वारा आयोजित 30वाँ भव्य रंग-रंगीला फागोत्सव-2026 आगामी शनिवार, 14 फरवरी को कोटा नगर में भक्ति, उल्लास और रंगों की अद्भुत छटा बिखेरेगा। यह विशाल धार्मिक आयोजन श्रीराम रंगमंच, दशहरा मैदान, कोटा में रात्रि 8 बजे से प्रभु इच्छा तक आयोजित होगा। इस ऐतिहासिक फागोत्सव में श्याम बाबा के दिव्य दरबार को जयपुर के सजावटी कलाकारों के द्वारा कोलकाता, देहली एवं चंडीगढ़ से मंगाये गये विशेष फूलों से भव्य श्रृंगार के साथ सजाया जाएगा। आयोजन स्थल पर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी, छप्पन भोग अर्पित होंगे तथा इत्र व पुष्प वर्षा से पूरा वातावरण श्याममय बनेगा। रंग-रंगीले फाग के बीच भक्तों पर भजनामृत की वर्षा होगी, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर होकर प्रभु भक्ति में लीन हो जाएंगे। इस अवसर पर कोलकाता से पधार रहे सुप्रसिद्ध भजन प्रवाहक रवि जी बैरीवाल एवं शुभम-रूपम जी बाजोरिया अपनी भावपूर्ण, संगीतमय भजन प्रस्तुतियों से श्याम प्रेमियों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराएंगे। उनके भजनों के साथ पूरा पांडाल जय श्री श्याम के जयघोष से गूंज उठेगा। यह 30 वर्षों की अखंड परंपरा और भक्ति का महापर्व होगा। संस्था के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोयल के साथ सचिव राजेश चौधरी और कोषाध्यक्ष महेंद्र मँशखा जी ने बताया कि रंग-रंगीला फागोत्सव विगत तीन दशकों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है और यह आयोजन अब कोटा शहर की एक प्रतिष्ठित धार्मिक परंपरा का रूप ले चुका है। हर वर्ष इसमें कोटा सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्याम प्रेमी सपरिवार उपस्थित होकर प्रभु श्री श्याम बाबा के दर्शन एवं भक्ति रस का लाभ लेते हैं। यह फागोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और पारस्परिक प्रेम का प्रतीक भी है। इसमें सभी वर्गों, आयु समूहों और समाजों के श्रद्धालु एक साथ प्रभु भक्ति में सराबोर होकर आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज में 14 व 15 फरवरी को 'गीतांजली पैथटॉक 2026' का आयोजन

उदयपुर, 13 फरवरी। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर के पैथोलॉजी विभाग द्वारा उदयपुर सोसायटी ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स के सहयोग से 14 व 15 फरवरी 2026 को दो दिवसीय 'गीतांजली पैथटॉक 2026' जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 14 फरवरी, शनिवार को प्रात: 08:15 बजे होगा।

कॉन्फ्रेंस की थीम 'डायग्नोस्टिक पैथोलॉजी में उभरते रुझान~ क्या नया है, क्या प्रासंगिक है और आगे क्या' रखी गई है। इस सम्मेलन में देश के प्रख्यात ऑन्कोपैथोलॉजिस्ट्स एवं विशेषज्ञ चिकित्सक भाग लेंगे तथा राजस्थान और गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से पैथोलॉजिस्ट, शोधकर्ता और मेडिकल विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल होंगे। सम्मेलन में डॉ. सुमित गुजराल (टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई) खून व लिम्फाइड अंग के कैंसर, डॉ. तृप्ति पाय फेफड़ों व स्तन कैंसर, डॉ. सुभाष यादव पेट व जननांगों के कैंसर व डॉ आयुषी सहाय मस्तिष्क के बारे में बतायेंगी।

सम्मेलन के दौरान 8 वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विभिन्न विषयों पर शोध पत्र एवं पोस्टर प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही उभरते पैथोलॉजिस्ट्स के लिए लाइव स्लाइड टीचिंग की विशेष व्यवस्था भी की गई है तथा उत्कृष्ट शोध कार्यों को सम्मानित करने हेतु रिसर्च अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे।

आयोजकों के अनुसार यह सम्मेलन पैथोलॉजी क्षेत्र में ज्ञानवर्धन, नवीन शोध और आपसी अनुभवों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड राजगढ, अलवर

E-Mail: eerajgarh.alw.pwd@rajasthan.gov.in

क्रमांक: 2639 दिनांक: 02.02.2026

निविदा सूचना संख्या 22/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वर्ष 2025-26 के निम्नलिखित भवन/सड़क निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए एवं ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो एवं उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड राजगढ़ (अलवर) (ID : 5622)
निविदा में कार्यों की संख्या	**1 (123.88 लाख)**
कुल धरोहर राशि (रुपये में)	निविदादाता द्वारा दिनांक 31.12.2021 के पश्चात निविदा ऑनलाइन की जाती है तो निविदादाता द्वारा निविदा की अनुमानत लागत का 2 प्रतिशत राशि (सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों को नियमानुसार छूट राशि प्रदान की जावेगी।) लोक निर्माण कार्य जमा बजट मद 8443-00-108-00-00 के पक्ष में राजस्थान सरकार वित्त (जीएण्डटी) विभाग के आदेश क्रमांक एफ 6(5) वित्त/साविलेनि/2018 जयपुर दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ऑनलाइन ई-ग्रास के द्वारा एकल चालान से संबंधित अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. कार्यालय के पक्ष में जमा करनी होगी। निविदा शुल्क/आर.आई.एस.एल. फीस/लोक निर्माण कार्य जमा राशि केवल ऑनलाइन ई-ग्रास द्वारा एकल चालान से ही जमा की जायेगी। अलग-2 चालान द्वारा जमा राशि स्वीकार योग्य नहीं है। ई-ग्रास पर भुगतान होने उपरान्त चालान सी.आई.एन. के साथ जनरेट कर ईप्रोक साईट पर अपलोड करना होगा। कार्यालय में निविदा शुल्क राशि, लोक निर्माण कार्य जमा एवं आर.आई.एस.एल. फीस के लिए भौतिक रूप से कोई राशि/डी.डी. स्वीकार नहीं की जायेगी।
निविदा आवेदन अपलोड करने की तारीख	दिनांक 05.02.2026 प्रात: 09.30 बजे से दिनांक 16.02.2026 सायं 06.00 बजे तक
निविदा जमा करने की तारीख	दिनांक 05.02.2026 प्रात: 09.30 बजे से दिनांक 16.02.2026 सायं 06.00 बजे तक
निविदा की कुल लागत	123.88 लाख
निविदा खोलने की तारीख	17.02.2026 अपराह्न 3.00 बजे
प्रोसेसिंग शुल्क निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया (ऑनलाइन ई-ग्रास के माध्यम से)	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प 6(5)/वित्त/सा.नि.वि./2018 दिनांक 27.04.2020 के ई-ग्रास पर ऑनलाइन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क- 8658-00-102-(16)-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क- 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि- 8443-00-108-00-00 दिनांक **16.02.2026** सायं 6.00 बजे तक

UBN No.:- 1. PWD2526WSOB22307, 2. PWD2526WSOB22308
3. PWD2526WSOB22309, 4. PWD2526WSOB22310

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट **www.dipronline.org** व विभाग की वेबसाइट **www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है।

(महीपाल मीना) अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड राजगढ (अलवर)
Email id- pwd_raj@rediffmail.com

डीआईपीआर/सी/2508/2026 Mob.: 8209895225

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड मकराना

निलामी सूचना संख्या 01/2025-26

सर्व साधारण को राज्यपाल की ओर से सूचित किया जाता है कि इस खण्ड के अधीन विभिन्न प्रकार के नकारा सामान की निलामी खण्डीय स्टोर मकराना परिसर मे दिनांक 06.03.2026 को प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक की जावेगी। अत: इच्छुक महानुभावों को सूचित किया जाता है निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर इस निलामी मे सक्रिय भाग लेवें।

निलामी किया जाने वाले सामान का अवलोकन दिनांक 21.02.2026 से 06.03.2026 तक कार्यालय समय के दौरान किया जा सकेगा। निलामी का सामान जैसा है जहां है, वहां से निलामी किया जावेगा।

क्र. सं.	सामान का विवरण	पुस्तक मूल्य वाली राशि (लाखो में)	धरोहर राशि	निलामी दिनांक
1	विभिन्न प्रकार के नकारा सामान की निलामी जैसे सबमर्सिबल/मोनोब्लॉक/सिंगलफेज पम्पसेट/सेन्ट्रीफयूगल पम्पसेट पीवीसी, कॉपर वॉयर, जली हुई सबमर्सिबल केबल, पेनल स्क्रेप, जीएम/सी.आई. एवं जी.आई. स्केप, स्टार्टर पेनल स्क्रेप, ट्रांसफॉर्मर व डिवाटरिंग सेट आदि जिनका पुस्तक मूल्य 112.92 लाख है UBN- PHE2526GLOB12996	112.92	75000.00	06.03.2026

निलामी की शर्तें

1. निलामी मे भाग लेने वाले व्यक्ति निलामी दिनांक को निर्धारित धरोहर राशि प्रात: 10.00 बजे से 2.00 बजे तक खजांची के पास रू. 75000.00 (पिचेतर हजार) की डीडी/बैंकर चैक अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड मकराना के नाम जमा करवायेंगे एवं जो भी महानुभाव उक्त अवधि मे धरोहर राशि जमा करवावेंगे वही बोली लगाने के हकदार होंगे। नकद राशि किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जायेगी।
2. बोली निर्धारित दिनांक को दोपहर 3.00 बजे से प्रारम्भ कर सायं 5.00 बजे तक समाप्त कर दी जायेगी।
3. अग्रिम बोली स्वीकृति आदि के लिए निलामी समिति का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।
4. सबसे अधिक बोली लगाने वाले के नाम छोड़े जाने की निलामी समिति द्वारा स्वीकृति देने पर नीलामी छोडी जायेगी तथा सम्बंधित पार्टी/व्यक्ति को नकद जमा बोली की 25 प्रतिशत राशि मय पूर्ण बिक्रीकर सहित उसी समय जमा करानी होगी तथा शेष राशि 7 दिवस के अन्दर अन्दर जमा करवाकर माल उठाना होगा अन्यथा जमा राशि जब्त मानी जावेगी।
5. सर्वोच्च बोली की राशि पर नियमानुसार कर जैसे वैट इत्यादि देय होगा। इसका भुगतान की जिम्मेदारी सम्बंधित बोलीदाता की होगी। बोली से पूर्व सेल्सटेक्स/जीएसटी चूकता प्रमाण पत्र दिनांक 31.12.2025 तक की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी होगी अन्यथा निलामी मे भाग लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
6. सर्वोच्च बोली स्वीकृत न होने पर धरोहर राशि नियमानुसार लौटा दी जावेगी।
7. निलामी बोली की अवधि बढ़ाने एवं अन्य निर्णय लेने का निलामी समिति का निर्णय सर्वमान्य होगा।
8. निलामी होने वाले सामान की संख्या में उस समय की परिस्थितियों के अनुसार घटत/बढ़त की जा सकेगी।
9. किसी कारणवंश किसी सामान या समस्त निलामी को निरस्त करना पड़ा तो उस पर भी निलामी समिति को पूर्ण अधिकार होगा जिसका कारण बताना आवश्यक नहीं होगा।

(धन्नाराम चौहान) अधिशाषी अभियंता
डीआईपीआर/सी/2519/2026 जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड मकराना

आज का दिन

फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी, विक्रम सं. 2082, शक संवत् 1947, हिजरी 1447, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 13 फरवरी, सन् 2026 ईस्वी। वार-शुक्रवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-शिशिर

सम्पादकीय

राजस्थान की आर्थिक वृद्धि में मददगार बनेगा यह बजट

राजस्थान बजट 2026-27 को उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी ने प्रस्तुत किया। यह बजट राज्य की आर्थिक वृद्धि और सामाजिक सशक्तिकरण पर केंद्रित है। कुल बजट पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। इससे स्पष्ट है कि सरकार ने विकास की गति तेज करने का संकल्प लिया है। कर्मचारियों के लिए कई घोषणा की गई है, जिससे वेतन और भत्तों में सुधार की उम्मीद है। युवाओं को स्वरोजगार के लिए ब्याज-मुक्त ऋण देने की योजना है और राजस्थान टेस्टिंग एजेंसी तथा टेक्नो हब जैसी संस्थाओं की स्थापना से रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री लक्षपति दीदी योजना के तहत ऋण सीमा बढ़ाकर 1.5 लाख कर दी गई है, जो ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास है। बुनियादी ढांचे में निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया है—सड़क निर्माण, जल प्रबंधन और सौर ऊर्जा पार्कों की योजनाएं दीर्घकालीन विकास की दिशा में अहम साबित होंगी। सुरक्षा के क्षेत्र में आठ जिलों में इंटीग्रेटेड मिलिट्री कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना है, जो सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कुल मिलाकर यह बजट संतुलित और दूरदर्शी प्रतीत होता है। एक ओर यह कर्मचारियों, युवाओं और महिलाओं को राहत देता है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश से भविष्य की नींव मजबूत करने का प्रयास करता है। हालांकि, इतनी बड़ी आर्थिक वृद्धि के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कार्यान्वयन की दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। इस दृष्टि से यह बजट राजस्थान को 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में एक ठोस कदम कहा जा सकता है।

बुनियादी ढांचे में निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया है– सड़क निर्माण, जल प्रबंधन और सौर ऊर्जा पार्कों की योजनाएं दीर्घकालीन विकास की दिशा में अहम साबित होंगी।

विदेशी अखबारों से

पाक युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को उचित सम्मान नहीं देता

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अब तक के अपने सबसे कड़े बयान में अमेरिका पर इस्लामाबाद का अपने रणनीतिक हितों के लिए शोषण करने और फिर उसे शौचालय के कागज से भी बदतर बताकर त्याग देने का आरोप लगाया है। संसद में बोलते हुए आसिफ ने कहा कि 1999 के बाद, विशेष रूप से अफगानिस्तान के संबंध में, वाशिंगटन के साथ फिर से गठबंधन करने के पाकिस्तान के फैसले ने देश को स्थायी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने अमेरिकी समर्थन प्राप्त करने की कोशिश को एक गंभीर गलत निर्णय बताया, जिसके परिणाम पाकिस्तान दशकों बाद भी भुगत रहा है। आसिफ ने कहा कि 1999 के बाद, विशेषकर अफगानिस्तान संघर्ष में, अमेरिका का साथ देने के पाकिस्तान के फैसले ने गहरा और दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाया। उन्होंने स्वीकार किया कि देश ने खुद को ऐसे युद्धों में घसीटने दिया जो वास्तव में कभी उसके अपने नहीं थे। उन्होंने इस लंबे समय से चले आ रहे दावे को खारिज कर दिया कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान की भूमिका धार्मिक कर्तव्य पर आधारित थी। उनके अनुसार, लोगों को जिहाद के नाम पर एक भ्रामक कहानी के तहत लामबंद किया गया, जिसने पाकिस्तान के भीतर उग्रवाद और अराजकता को ही बढ़ावा दिया। एक चौंकाने वाले खुलासे में, मंत्री ने कहा कि इन युद्धों का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान की शिक्षा प्रणाली में भी बदलाव किए गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि विदेशी हितों से प्रेरित संघर्षों में शामिल होने को उचित ठहराने के लिए वैचारिक परिवर्तन किए गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1980 के दशक में सोवियत विरोधी युद्ध धर्म के बारे में नहीं, बल्कि अमेरिकी भू-राजनीतिक लक्ष्यों के बारे में था। फिर भी पाकिस्तान ने सामाजिक और आर्थिक दोनों तरह से इसकी कीमत चुकाई। आसिफ ने पूर्व सैन्य नेताओं को भी नहीं बख्शा। उन्होंने जनरल जिया-उल-हक और जनरल परवेज़ मुशर्रफ पर अल्पकालिक लाभ के लिए पाकिस्तान को बाहरी युद्धों में घसीटने का आरोप लगाया, जिसके चलते वैश्विक शक्तियों के चले जाने के बाद भी देश को आतंकवाद, कट्टरता और आर्थिक नुकसान से जूझना पड़ा।

प्रेरक प्रसंग

साधु के भेष में डकैत

एक गांव के पास जंगल में डाकुओं का एक झुंड रहता था। उनका सरदार साधु के भेष में रहता और व्यापारियों व अमीरों को लूटकर गरीबों में धन बांटता था। उसे लगता था कि राज्य गरीबों की उपेक्षा करता है, इसलिए वह अमीरों से नफरत करने लगा। एक दिन राजधानी से लौटते व्यापारियों का समूह उस जंगल में पहुंचा। डाकुओं ने उन्हें घेर लिया। तभी एक व्यापारी धन का थैला लेकर भागा और एक साधु के तंबू में जा पहुंचा। व्यापारी ने साधु से कहा कि यदि वह मारा गया तो यह धन उसके परिवार तक पहुंचा दे। साधु ने वचन दिया कि वह धन की रक्षा करेगा। व्यापारी का विश्वास देखकर साधु-सरदार का मन विचलित हो गया। बाहर डाकू व्यापारियों को मार रहे थे। सरदार ने आदेश दिया कि उन्हें छोड़ दिया जाए और आधा धन लौटा दिया जाए। डाकू पहले असहमत हुए, पर अंततः मान गए। व्यापारी अपना थैला लेने लौटा और देखकर चौंक गया कि साधु वास्तव में डाकुओं का सरदार है। पर सरदार ने उसका थैला सुरक्षित लौटाया। व्यापारी प्रसन्न होकर दान देना चाहता था, पर साधु ने मना कर दिया। तंबू में लौटकर डाकुओं ने सरदार से पूछा कि उसने धन क्यों छोड़ा। सरदार ने कहा कि व्यापारी ने उसे भगवान का भक्त मानकर भरोसा किया था, और विश्वास तोड़ना सबसे बड़ा अपराध है। उसने स्वीकार किया कि राज्य की उपेक्षा के कारण वे गलत राह पर चले गए, पर अब उन्हें मेहनत और ईमानदारी से जीना चाहिए।

भारतीय किसानों की गहराती आशंकाएं

उमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा।

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है।

रोलिंग्स की इस खुशी की वजह से भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है। किसानों की आशंकाओं को विपक्षी दलों ने अपने ऊंचे सुरों से और बढ़ाया ही है। लेकिन कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों,सब्ज़ियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय किसानों को नए अवसर मिलेंगे,क्योंकि इस समझौते में कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर से अमेरिका समेत कई देशों को करीब 63 हजार करोड़ के चावल का निर्यात कर चुका है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा।

भारत-अमेरिकी समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनीं पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। इस बवंडर का सामना करने की हिम्मत विरली राजनीतिक ताकतें ही कर सकती हैं। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, खासतौर पर एमएसएमई, किसानों और मछुआरों के लिए तीन लाख अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा बाजार खुलने की उम्मीद है। इसकी वजह से जो निर्यात बढ़ेगा, उससे महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना जताई जा रही है। भारत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, मुर्गी पालन, दूध, पनीर, एथनॉल, तंबाकू, सब्जियां और मांस सहित संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों को पूर्ण रूप से संरक्षित करेगा। दोनों देश अपने-अपने हित वाले क्षेत्रों में एक-दूसरे को तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। दूसरी तरफ भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात का 11.74 प्रतिशत है। कृषि और डेयरी उत्पाद के कारोबार के इसी असुंलन की वजह से अमेरिका भारतीय बाजार में घुसने की लगातार कोशिश कर रहा है। लेकिन भारतीय सूत्र इससे साफ इनकार कर रहे हैं। भारत के सामने संकट यह है कि अगर उसने इस क्षेत्र को खोला तो छोटे और सीमांत किसानों के सामने जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उनसे वह कैसे निबट पाएगा।

चीन ने सुरक्षा परिषद में भारत के दावे का किया समर्थन

नीरज कुमार दुबे

करीब 4 वर्ष तक चले पूर्वी लद्दाख गतिरोध ने दोनों देशों के संबंधों को झकझोर दिया था। उसके बाद हुए सीमा समझौते और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के फल अब सामने आने लगे हैं। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही व्यापक रिश्तों की बुनियाद है। इसी सोच के साथ द्विपक्षीय व्यापार से जुड़ी अड़चनों को राजनीतिक और सामरिक दृष्टि से सुलझाने पर जोर दिया गया। बैठक में वायु सेवा समझौते को जल्द नया रूप देने, जन से जन संपर्क बढ़ाने और प्रवेश अनुमति पत्र प्रि या को सरल बनाने पर सहमति बनी। कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भरोसे की बहाली का संकेत माना गया और इसके दायरे को आगे बढ़ाने की आशा जताई गई।

भारत और चीन के बीच रिश्तों की जमी बर्फ अब पिघलने लगी है और यह बदलाव केवल सीमा तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि व्यापार, कूटनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन तक फैलता नजर आ रहा है। नई दिल्ली में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और चीन के कार्यकारी उप विदेश मंत्री मा झाओशु के बीच हुई सामरिक संवाद बैठक ने यह साफ कर दिया कि दोनों देश टकराव की लंबी थकान के बाद अब ठोस लाभ की राह तलाश रहे हैं। बातचीत का मुख्य आधार रहा व्यापारिक रिश्तों को आगे बढ़ाना और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखना। हम आपको याद दिला दें कि करीब 4 वर्ष तक चले पूर्वी लद्दाख गतिरोध ने दोनों देशों के संबंधों को झकझोर दिया था। उसके बाद हुए सीमा समझौते और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के फल अब सामने आने लगे हैं। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही व्यापक रिश्तों की बुनियाद है। इसी सोच के साथ द्विपक्षीय व्यापार से जुड़ी अड़चनों को राजनीतिक और सामरिक दृष्टि से सुलझाने पर जोर दिया गया। बैठक में वायु सेवा समझौते को जल्द नया रूप देने, जन से जन संपर्क बढ़ाने और प्रवेश अनुमति पत्र प्रक्रिया को सरल बनाने पर सहमति बनी। कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भरोसे की बहाली का संकेत माना गया और इसके दायरे को आगे बढ़ाने की आशा जताई गई।

सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात रही चीन का यह कहना कि वह भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की आकांक्षा को समझता और उसका सम्मान करता है। यह रुख पहले के ठंडे या विरोधी रवैये से अलग माना जा रहा है। सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं और हर एक के पास वीटो शक्ति है। ऐसे में किसी नए स्थायी सदस्य के रास्ते में इन पांचों की सहमति निर्णायक होती है। पहले चार स्थायी सदस्यों ने अलग अलग समय पर भारत के दावे का समर्थन जताया है, जबकि चीन का रुख अस्पष्ट या ठंडा रहा। अब बीजिंग की यह नरमी नई चर्चा को जन्म दे रही है। चीन ने यह भी कहा कि बदलती अंतरराष्ट्रीय स्थिति में दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी साझेदार के रूप में देखना चाहिए। दोनों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, ग्लोबल साउथ की एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की बात दोहराई। साथ ही भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता और भारत में होने वाली ब्रिक्स शिखर बैठक के लिए चीन ने समर्थन जताया। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत ने अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौते आगे बढ़ाए हैं और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को विविध बना रहा है। ऐसे में चीन का भारत की ओर व्यापार और कूटनीति का हाथ बढ़ाना केवल सद्भाव नहीं, बल्कि रणनीति भी माना जा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं यदि टकराव कम कर सहयोग बढ़ाती हैं, तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व का शक्ति गणित बदल सकती हैं। पिछले छह महीनों में भारत चीन संबंधों में जो सुधार दिखा है, उसमें शीर्ष नेतृत्व की मुलाकातें, सैन्य स्तर पर संवाद और आर्थिक संपर्क की बहाली शामिल है। हालांकि अविश्वास पूरी तरह खत्म नहीं हुआ, पर संवाद की पटरी पर लौटना अपने आप में बड़ा बदलाव है। देखा जाये तो भारत चीन रिश्तों में यह नरमी केवल दोस्ती की कहानी नहीं, बल्कि कठोर यथार्थ की राजनीति है। अमेरिका के साथ भारत के बढ़ते व्यापार और सामरिक समीकरण ने बीजिंग को संकेत दिया है कि नई दिल्ली अब विकल्पों से भरपूर है। ऐसे में चीन का लहजा बदलना स्वाभाविक भी है और मजबूरी भी। वह नहीं चाहता कि भारत पूरी तरह पश्चिमी खेमे की ओर झुक जाए और एशिया में उसके लिए संतुलन बिगड़ जाए।

भारत के लिए भी यह मौका है, पर खतरे से खाली नहीं। चीन के शब्द मधुर हो सकते हैं, पर उसकी नीति हमेशा अपने हित के इर्द गिर्द घूमती है। सीमा पर शांति की बात स्वागत योग्य है, पर जमीन पर सख्त चौकसी ढीली नहीं पड़नी चाहिए। इतिहास बताता है कि भरोसा और सतर्कता दोनों साथ साथ चलाने पड़ते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पर चीन का नरम संकेत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके बिना सुधार की गाड़ी आगे नहीं बढ़ सकती। लेकिन केवल समझने और सम्मान करने से काम नहीं चलेगा, खुला और स्पष्ट समर्थन ही असली कसौटी होगा। बहरहाल, यदि भारत और चीन सच में प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित कर सहयोग का रास्ता निकाल लेते हैं, तो इसके वैश्विक और क्षेत्रीय भूराजनीतिक निहितार्थ गहरे होंगे। एशिया में तनाव घट सकता है, आपूर्ति श्रृंखलाएं स्थिर हो सकती हैं और ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत हो सकती है। इससे बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को भी नया बल मिलेगा, जहां पश्चिम का वर्चस्व अकेला निर्णायक न रहे। पर अंतिम सवाल यही है कि क्या यह बदलाव स्थायी होगा या हालात बदलते ही फिर तल्खी लौट आएगी। भारत को इस नए दौर में आत्मविश्वास, आर्थिक शक्ति और सैन्य तैयारी के साथ कदम बढ़ाना होगा। दोस्ती की मेज पर हाथ मिलाते समय भी सीमा पर नजर और दिमाग, दोनों खुले रखने होंगे। यही परिपक्व शक्ति की पहचान है।

ब्लॉग

हम केवल 'आत्मनिर्भरता' पर ही भरोसा नहीं कर सकते

आशुतोष वार्ष्णेय

भारत को बदलती हुई विश्व-व्यवस्था का जवाब कैसे देना चाहिए? इसके लिए सबसे पहले एक बड़े सवाल का जवाब देना जरूरी है। यह कि आज दुनिया में भू-राजनीति और अर्थव्यवस्था का क्या रिश्ता है?

वैश्वीकरण के हालिया दौर में- जिसकी शुरुआत 1980 के दशक में हुई और 1991 में सोवियत संघ के टूटने के बाद जिसे मजबूती मिली- आम तौर पर भू-राजनीति अर्थव्यवस्था के पीछे चलती थी और अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से बाजार-आधारित थी। ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय संबंध आर्थिक हितों के आसपास बने थे। दुनिया के मंच पर चीन का उभार इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। 2002 में पश्चिम के समर्थन से, चीन- जो राजनीतिक रूप से कम्युनिस्ट था, लेकिन आर्थिक रूप से कम्युनिस्ट नहीं रह गया था- को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शामिल किया गया।

यह याद रखना जरूरी है कि 1972 में चीन-अमेरिका के बीच हुआ शुरुआती मेल-मिलाप पूरी तरह रणनीतिक था, आर्थिक नहीं। उस समय चीन आर्थिक रूप से पिछड़ा था और दुनिया को देने के लिए उसके पास कोई खास उत्पाद नहीं थे। उसका व्यापार/जीडीपी अनुपात सिर्फ 5 प्रतिशत था। न ही वह विदेशी निवेश का स्वागत कर रहा था।

शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने सोवियत संघ को कमजोर करने के लिए चीन को साझेदार के रूप में देखा था, लेकिन 1991 के बाद भी अमेरिका ने चीन से दूरी नहीं बनाई। इसके बजाय, जैसे-जैसे चीन ने अपने बाजार दुनिया के लिए खोले, अर्थव्यवस्था चीन-अमेरिका रिश्ते की बुनियाद बनती गई। बड़े आर्थिक अवसरों ने चीन के अमेरिका और पश्चिम के साथ रिश्तों को आगे बढ़ाया। देश और कंपनियां तेजी से चीन की ओर दौड़ीं। आज स्थिति यह है कि अर्थव्यवस्था भू-राजनीति के पीछे चलने लगी है, हालांकि वह अभी पूरी तरह से उसके अधीन नहीं हुई है। अगर चीन का डब्ल्यूटीओ में शामिल होना इसका सबसे बड़ा संकेत था कि पहले अर्थव्यवस्था भू-राजनीति पर भारी थी, तो अब ट्रम्प द्वारा टैरिफ को भू-राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करना नए दौर का सबसे बड़ा इशारा है।

कभी टैरिफ एक आर्थिक औजार हुआ करता था और वैश्वीकरण के दौर में ज्यादातर देश इन्हें न्यूनतम स्तर तक कम करना चाहते थे, लेकिन पिछले एक साल में अमेरिका ने अपने पुराने सहयोगियों पर भी टैरिफ लगाए हैं, क्योंकि अब वह उन्हें ज्यादा काम का नहीं मानता। 1949 में अमेरिका के संरक्षण में पश्चिमी यूरोप को सोवियत संघ से बचाने के लिए बनाए गए नाटो के साथ ट्रम्प का व्यवहार नई भू-राजनीति का अहम उदाहरण है। ग्रीनलैंड से जुड़ी अपनी योजनाओं के लिए ट्रम्प उन नाटो देशों को दंडित करने के लिए भी टैरिफ का इस्तेमाल करने को तैयार थे, जिन्होंने उनका विरोध किया। हालांकि बाद में उन्होंने कदम पीछे खींच लिए। 2028 से 2030 के बीच भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, लेकिन क्या यह रफ्तार आगे भी बनी रह पाएगी? ट्रम्प द्वारा भारत के अमेरिका जाने वाले निर्यात पर ऊंचे टैरिफ लगाना इस समस्या का बड़ा हिस्सा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका ने पाकिस्तान को अपनाया है और चीन पर उतने कड़े टैरिफ नहीं लगाए, जबकि चीन भी भारत का एक भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी है।

टी-20 वर्ल्ड कप : इंग्लैंड की 30 रन से हार, लगातार दूसरी जीत के साथ टॉप पर वेस्टइंडीज

मुंबई, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इस टीम ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के विरुद्ध 30 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ कैरेबियन टीम ग्रुप-सी की प्वाइंट्स टेबल में +1.625 नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए। इस टीम ने 8 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे। यहां से शिमरोन हेटमायर ने रोस्टन चेज के साथ तीसरे विकेट के लिए 28 गेंदों में 47 रन जुटाकर टीम को संभाला।

हेटमायर 12 गेंदों में 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। शेरफन रदरफोर्ड ने रोवमैन पॉवेल (14) के साथ पांचवें विकेट के लिए 29 गेंदों में 51 रन की साझेदारी की। इसके बाद जेसन होल्डर के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 61 रन जोड़े। होल्डर 17 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रदरफोर्ड ने 7 छक्कों और 2 चौकों के साथ नाबाद 76 रन बनाए।

विपक्षी खेमे से जेमी ओवरटन और आदिल रशीद ने 2-2 विकेट निकाले। एक-एक सफलता जोफ्रा आर्चर और सैम करने के हाथ लगी। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवरों में 166 रन पर सिमट गई। सलामी जोड़ी के रूप में फिल सॉल्ट ने जोस बटलर के साथ 3.2 ओवरों में 38 रन की साझेदारी की। सॉल्ट 14 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 30 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बटलर ने जैकब बेथेल के साथ 20 गेंदों में 36 रन जोड़े। बटलर 21 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जैकब ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

इंग्लैंड की टीम 90 के स्कोर तक 4 विकेट खो चुकी थी, जिसके बाद सैम करन ने हैरी ब्रूक के साथ 26 गेंदों में 41 रन जुटाए, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही इंग्लैंड निरंतर अंतराल पर अपने विकेट गंवाती रही। ब्रूक 17 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सैम करन ने 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ नाबाद 43 रन जुटाए। विपक्षी खेमे से गुडाकेश मोती ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि रोस्टन चेज ने 2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट अकील हुसैन, रोमारियो शेफर्ड और शमार जोसेफ ने निकाला।

जन्मदिन विशेष: टेस्ट डेब्यू पर तहलका मचाने वाले गुंडप्पा विश्वनाथ ने जिस मैच में भी सेंचुरी लगाई उसे भारत कभी हारा नहीं

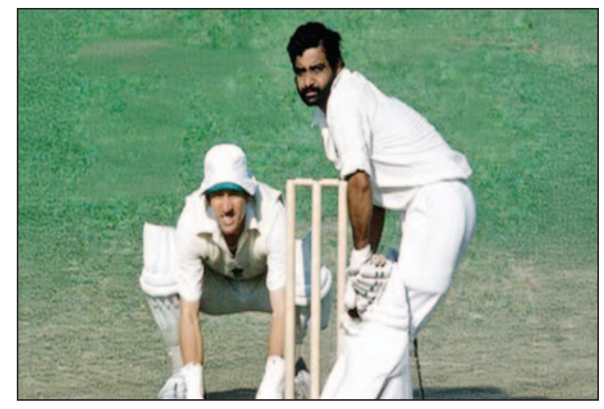

नई दिल्ली, एजेंसी। गुंडप्पा विश्वनाथ की गिनती भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में होती है, जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में शतक लगाने का कारनामा किया। विश्वनाथ ने टेस्ट करियर में जब भी सेंचुरी लगाई, भारत उस मुकाबले को नहीं हारा।

वह अपने दौर में टेस्ट खेलने वाले सभी देशों के खिलाफ शतक लगाने वाले पहले भारतीय रहे। 12 फरवरी 1949 को मैसूर में जन्मे गुंडप्पा रंगनाथ विश्वनाथ ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के साथ भारत की सीनियर टीम में स्थान बनाया।

उन्होंने 1967-68 में आंध्र के खिलाफ मैसूर की ओर से प्रथम श्रेणी में डेब्यू करते हुए दोहरा शतक लगाकर अपनी पहचान बनाई थी। गुंडप्पा विश्वनाथ को नवंबर 1969 में टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मुकाबले की पहली पारी में विश्वनाथ खाता तक नहीं खोल सके थे, जिसके बाद अगली पारी में 137 रन बनाए।

गुंडप्पा विश्वनाथ चाहे घरेलू मैच खेले या फिर भारत की ओर से टेस्ट मैच, उन्होंने मुकाबले से पहले कभी भी नेट्स पर प्रैक्टिस नहीं की। वह मुकाबले से पहले अपनी ऊर्जा बचाने की कोशिश करते थे। अपनी बेहतरीन टाइमिंग और तकनीक के लिए मशहूर विश्वनाथ ने भारत के लिए 91 टेस्ट खेले।

इस दौरान 41.93 की औसत के साथ 6,080 रन बनाए। विश्वनाथ ने 14 बार शतकीय पारियां खेलीं। खास बात ये रही कि जब-जब विश्वनाथ ने शतक लगाया, भारत ने उस मैच को नहीं गंवाया। विश्वनाथ ने जिन मुकाबलों में शतक लगाए, भारत ने उनमें से 4 जीते, जबकि 10 ड्रॉ पर समाप्त हुए। विश्वनाथ ने 13 जुलाई 1974 को वनडे फॉर्मेट में डेब्यू किया, जिसमें 25 मैच खेले। इस दौरान उनके बल्ले से 19.95 की औसत के साथ 439 रन निकले।

विश्वनाथ ने साल 1982 में अंतिम वनडे मुकाबला खेला, जबकि फरवरी 1983 में आखिरी बार टेस्ट मैच खेलने उतरे। संन्यास के बाद उन्होंने साल 1999 से 2004 के बीच आईसीसी मैच रेफरी के रूप में भी काम किया। कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रहे और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष का पद भी संभाला। क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान के लिए गुंडप्पा विश्वनाथ को साल 1977 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

व्यापार समाचार

टाटा एआईए ने लॉन्च किए एनहैंस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड्स, अपनों की सुरक्षा भी, भविष्य की बढ़त भी: निवेश का सबसे स्मार्ट तरीका

मुंबई, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था जिस तेज़ी से बढ़ रही है, उसे देखते हुए निवेशक अब सही प्लानिंग के साथ लंबे समय के लिए पैसा जोड़ना चाहते हैं। आज के समय में शेयर बाजार में आम लोगों की हिस्सेदारी रिकॉर्ड स्तर पर है। लोग अब पुराने तरीकों के बजाय बाजार से जुड़े विकल्पों में पैसा लगाना ज़्यादा पसंद कर रहे हैं। ऐसे में, भविष्य को सुरक्षित बनाने और अच्छी संपत्ति बनाने के लिए इंडेक्स फंड में निवेश सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा तरीका बन गया है।

बाजार के बदलते रुझान को देखते हुए, भारत की भरोसेमंद बीमा कंपनी टाटा एआईए ने 'वैल्यू इन्वेस्टिंग' पर आधारित दो नए फंड पेश किए हैं। यह रणनीति उन कंपनियों को चुनने पर टिकी है, जिनमें भविष्य में बड़ी बढ़त हासिल करने की पूरी क्षमता है। ये फंड लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप की ऐसी 50 चुनिंदा कंपनियों में पैसा लगाते हैं जो आने वाले समय में मार्केट लीडर बन सकती हैं। इसके जरिए निवेशकों को न केवल बेहतर कमाई का मौका मिलता है, बल्कि जीवन बीमा की सुरक्षा भी मिलती है।

टाटा एआईए लाइफ एनहैंस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड- यह फंड एक पारदर्शी तरीके से चुनी गई 50 बेहतरीन कंपनियों में निवेश करने का मौका देता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो बच्चों की पढ़ाई, घर बनाने या भविष्य की वित्तीय सुरक्षा जैसे लक्ष्य पूरे करना चाहते हैं। इस फंड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें पैसे बढ़ने के साथ-साथ आपको टाटा एआईए की ओर से जीवन बीमा की सुरक्षा भी मिलती है।

टाटा एआईए लाइफ एनहैंस्ड वैल्यू इंडेक्स पेंशन फंड- यह खास फंड टाटा एआईए के पेंशन प्लान के साथ उपलब्ध है, जो रिटायरमेंट के बाद एक चिंतामुक्त जीवन जीने में मदद करता है। इसमें आपको शेयर बाजार की बढ़त का फायदा तो मिलता ही है, साथ ही लाइफ इंश्योरेंस की सुरक्षा भी मिलती है। इसके जरिए आप धीरे-धीरे रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड जमा कर सकते हैं और साथ ही अपने परिवार के भविष्य को भी सुरक्षित रख सकते हैं। इन नए फंड्स में निवेश करने का मौका 9 से 16 फरवरी 2026 तक है। जो लोग इस दौरान निवेश करेंगे, उन्हें 16 फरवरी 2026 को मात्र रु.10 की शुरूआती कीमत (NAV) पर यूनिट्स दी जाएंगी।

फंड की मुख्य जानकारी

निवेश का लक्ष्य- 'एनहैंस्ड वैल्यू इंडेक्स' के साथ जुड़ी कंपनियों में निवेश करके लंबे समय में आपके पैसे को बढ़ाना।

बेंचमार्क- इस फंड के प्रदर्शन की तुलना 'BSE 500 Enhanced Value 50 Customised Inde&' से की जाएगी।

पैसा कहाँ लगेगा- आपके निवेश का 70% से 100% हिस्सा शेयरों में लगाया जाएगा, जबकि बचा हुआ 0% से 30% हिस्सा कैश या मनी मार्केट साधनों में रखा जा सकता है।

फंड के लॉन्च पर टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के सीआईओ, श्री हर्षद पाटील ने कहा शेयर बाजार में उन्हीं को फायदा मिलता है जो सब्र और अनुशासन के साथ निवेश करते हैं। कई निवेशकों के लिए सही स्टॉक चुनना या बाजार के सही समय को समझना मुश्किल होता है। हमारा 'एनहैंस्ड वैल्यू इंडेक्स' तरीका इसे आसान बनाता है। यह फंड ठोस आंकड़ों और नियमों पर आधारित है, जिससे निवेश करना पारदर्शी और सरल हो जाता है। हमारा मकसद लंबी अवधि के निवेश को हर किसी के लिए आसान और सुलभ बनाना है।

इंडेक्स-आधारित निवेश करने का यह सही समय क्यों है?

देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था- भारत की जीडीपी तेज़ी से बढ़ रही है। यहाँ का बड़ा युवा वर्ग और बढ़ता मध्यम वर्ग कंपनियों के मुनाफे और तरक्की के लिए नए मौके बना रहा है।

दुनियाभर में उथल-पुथल- दुनिया में चल रहे तनाव की वजह से बाजार में काफी उतार-चढ़ाव है। ऐसे में 'वैल्यू इन्वेस्टिंग' उन अच्छी कंपनियों को खोजने में मदद करती है जिनकी कीमत अभी कम है, लेकिन जिनमें भविष्य में बढ़ने की पूरी काबिलियत है।

पैसिव इन्वेस्टिंग का बढ़ता क्रेज- पिछले 5 सालों में भारत में पैसिव फंड 25% की सालाना रफ्तार (सीएजीआर) से बढ़े हैं। लोग अब निवेश के ऐसे तरीके पसंद कर रहे हैं जो पारदर्शी हों और जिनमें खर्च कम लगे।

एक साथ कई कंपनियों में निवेश: 'एन्हांस्ड वैल्यू इंडेक्स' अलग-अलग सेक्टर की कई कंपनियों में पैसा लगाता है। इससे जोखिम कम हो जाता है और बाज़ार की बढ़त का फायदा भी मिलता है।

क्यों खास है 'एन्हांस्ड वैल्यू इंडेक्स' रणनीति?

किसी एक सेक्टर या थीम तक सीमित रहने वाले फंड्स के विपरीत, 'एन्हांस्ड वैल्यू इंडेक्स' रणनीति पूरे बाजार में निवेश का मौका देती है और साथ ही 'वैल्यूएशन अनुशासन' पर भी खास ध्यान देती है। मजबूत बुनियादी आधार और सही कीमत वाली कंपनियों में निवेश करके, यह रणनीति बाज़ार के हर उतार-चढ़ाव के दौरान ग्रोथ और सुरक्षा के बीच एक बेहतरीन संतुलन बनाने की कोशिश करती है।

इसकी मुख्य विशेषताएं- विविधतापूर्ण निवेश- यह फंड 'बीएसई एन्हांस्ड वैल्यू इंडेक्स' को फॉलो करता है। इसमें लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप की ऐसी 50 बेहतरीन कंपनियां शामिल की जाती हैं, जिन्हें 'बुक वैल्यू', 'अर्निंग्स' और 'सेल्स' जैसे तीन मजबूत वित्तीय पैमानों पर परखा जाता है।

अनुशासित और नियमों पर आधारित निवेश- यह पूरी तरह से आंकड़ों और नियमों पर चलने वाला तरीका है, जिससे भावनाओं में बहकर लिए गए गलत फैसलों और मार्केट टाइमिंग का सही अंदाज़ा न लगा पाने जैसी गलतियों का जोखिम कम हो जाता है।

लंबी अवधि में बड़ी पूंजी का निर्माण- इसका मुख्य लक्ष्य निवेशकों को लंबे समय में लगातार और बेहतर ग्रोथ दिलाना है।

बाज़ार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा- यह रणनीति उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करती है जो वाजिब कीमतों पर उपलब्ध हैं। इससे बाज़ार की गिरावट के समय पोर्टफोलियो को सुरक्षा मिलती है।

जीवन बीमा का सुरक्षा कवच- टाटा एआईए के यूनिट-लिंक्ड बीमा प्लान्स के जरिए निवेश के साथ-साथ आपको बड़ा लाइफ कवर भी मिलता है।

रिटायरमेंट पर विशेष ध्यान- इस फंड का 'पेंशन वेरिएंट' विशेष रूप से उन लोगों के लिए बनाया गया है जो अपने भविष्य के लिए एक सुरक्षित रिटायरमेंट फंड तैयार करना चाहते हैं।

पूरे भरोसे के साथ निवेश करें- टाटा एआईए का 'एन्हांस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड' निवेश का एक आसान और पारदर्शी तरीका है, जो भारत की आर्थिक तरक्की का फायदा आप तक पहुँचाता है। यह उन लोगों के लिए एक बेहतरीन जरिया है, जो शेयरों को चुनने या बाज़ार के सही समय को समझने की उलझन में पड़े बिना, एक अनुशासित तरीके से अपनी संपत्ति बनाना चाहते हैं।

एन्हांस्ड वैल्यू इंडेक्स पेंशन फंड में निवेश-इक्विटी में लंबे समय के लिए लगाया गया पैसा ज्यादा मुनाफा देने की ताकत रखता है। इससे पेंशन लेने वालों को भविष्य की जरूरतों को पूरा करने और महंगाई का सामना करने में मदद मिलती है। यह फंड खास तौर पर टाटा एआईए के 'स्मार्ट पेंशन सिक्योर प्लान' और 'प्रीमियर पेंशन सिक्योर' के साथ उपलब्ध है। इसके जरिए आप अपनी रिटायरमेंट के लिए एक बड़ा फंड बड़ी आसानी से तैयार कर सकते हैं। 31 दिसंबर 2025 तक, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के पास कुल रु.1,45,256 करोड़ की संपत्ति (Assets Under Management) जमा हो चुकी है। पिछले साल के मुकाबले इसमें 21% की बड़ी बढ़त देखी गई है।

नई पॉलिसी से होने वाली अच्छी कमाई और निवेश पर मिले बेहतरीन मुनाफे की वजह से कंपनी ने यह तरक्की हासिल की है।

एक्सिस बैंक ने एमएसएमई के लिए उच्च लोन-टू-वैल्यू और उसी दिन वितरण वाली गोल्ड लोन सुविधा शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अपनी गोल्ड लोन योजना लॉन्च की है। यह एक सुरक्षित ओवरड्राफ्ट सुविधा है, जिसके तहत छोटे कारोबारी अपने मौजूदा स्वर्ण आभूषणों के बदले त्वरित, लचीली और न्यूनतम दस्तावेज़ी प्रक्रिया के साथ नकदी प्राप्त कर सकते हैं। यह उत्पाद व्यक्तिगत उद्यमियों और एकल स्वामित्व वाले व्यवसायों के लिए उपलब्ध है, चाहे वे एक्सिस बैंक के पुराने ग्राहक हों या नए। यह सुविधा देशभर की 3300 से अधिक गोल्ड-लोन सक्षम शाखाओं में शुरू की गई है।

पात्र ग्राहक काउंटर पर ही उसी दिन (ओटीसी) ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें राशि सीधे उनके बैंक खाते में जमा की जाएगी। ऋण राशि रु.50,000 से लेकर रु.1 करोड़ तक होगी, जो पात्रता और बैंक की आंतरिक नीतियों पर आधारित होगी। दस्तावेज़ों की आवश्यकता केवल केवाईसी, उद्यम पंजीकरण या असिस्ट प्रमाणपत्र तथा आईटीआर या जीएसटी पंजीकरण तक सीमित है।

यह सुविधा स्वर्ण आभूषणों के बदले ओवरड्राफ्ट के रूप में दी जाएगी, जिसमें उधारकर्ताओं को केवल मासिक ब्याज का भुगतान करना होगा।

इस उत्पाद में 82% तक का लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) दिया जाएगा, जो उद्योग की सामान्य पेशकशों से अधिक है और पूरी तरह नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप है। यह उच्च एलटीवी एक्सिस बैंक की मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रणाली, अनुशासित ग्राहक वर्गीकरण तथा कड़े स्वर्ण मूल्यांकन और गिरवी निगरानी प्रक्रियाओं पर आधारित है। इससे तेज़ ऋण उपलब्धता सुनिश्चित होती है और पोर्टफोलियो की गुणवत्ता बनी रहती है।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए एक्सिस बैंक के ग्रुप एग्जीक्यूटिव एवं भारत बैंकिंग हेड, बिपिन सराफ ने कहा, छोटे व्यवसाय भारत की आर्थिक गति की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें समय पर कार्यशील पूंजी मिलना अब भी एक बड़ी चुनौती है। एमएसएमई के लिए हमारा गोल्ड लोन इसी अंतर को भरने के लिए बनाया गया है, जो सुरक्षित ऋण की मजबूती को गति, लचीलापन और सरल शाखा-आधारित अनुभव के साथ जोड़ता है। मजबूत जोखिम प्रबंधन और अनुशासित अंडरराइटिंग के माध्यम से हम स्वर्ण के बदले अधिक ऋण पात्रता प्रदान कर पा रहे हैं, ताकि एमएसएमई बिना किसी बाधा के अपनी व्यावसायिक जरूरतें पूरी कर सकें।

यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारत के ऋण परिदृश्य में सुरक्षित ऋण और एमएसएमई वित्तपोषण तेजी से प्रमुख विकास चालक बनते जा रहे हैं। सोने की बढ़ती कीमतों, बैंकों के सुरक्षित पोर्टफोलियो पर बढ़ते फोकस और एमएसएमई की त्वरित, अल्पकालिक नकदी जरूरतों ने गोल्ड-आधारित व्यवसाय ऋण की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

इस पहल के माध्यम से एक्सिस बैंक एमएसएमई को सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले ऋण समाधान प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, जो बदलती कारोबारी जरूरतों और भारत के ऋण विकास की नई दिशा के अनुरूप है।

केएफआईएल ने घोषित किए वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम स्टैंडअलोन राजस्व रु.1,590 करोड़; शुद्ध लाभ रु.57.5 करोड़

पुणे, एजेंसी। किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (BSE: 500245), जो कास्टिंग्स और पिग आयरन के अग्रणी निर्माताओं में से एक है तथा भारत में स्टील और सीमलेस ट्यूब्स के क्षेत्र में प्रमुख कंपनी है, ने आज वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए केएफआईएल के प्रबंध निदेशक आर. वी. गुमस्ते ने कहा, चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों के बावजूद हमें तीसरी तिमाही में मजबूत और संतुलित प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए प्रसन्नता हो रही है। लागत अनुकूलन और परिचालन दक्षता पर हमारे निरंतर फोकस से मार्जिन में सुधार हुआ है।

पल्वराइज़्ड कोल इंजेक्शन विद ऑक्सीजन एनरिचमेंट, सोलर क्षमता का कमीशनिंग तथा ट्यूब प्लांट डी-बॉटलनेकिंग जैसे प्रोजेक्ट्स ने इस सुधार को समर्थन दिया है। वैल्यू-एडेड कास्टिंग्स की मजबूत मांग और बड़े ट्यूब ऑर्डर के आगामी निष्पादन से हमारा आउटलुक और सुदृढ़ हुआ है। हमारे विस्तार और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े प्रोजेक्ट्स भी अच्छी प्रगति पर हैं।

इस तिमाही के दौरान, पिग आयरन और स्टील की कीमतें अधिक आपूर्ति और कमजोर मांग के कारण पिछले पांच वर्षों के निचले स्तर पर पहुंच गईं। हालांकि वॉल्यूम मजबूत रहे, लेकिन कम रियलाइजेशन और हिरियूर, बारामती और जेजुरी में नियोजित मेंटेनेंस शटडाउन के कारण राजस्व लगभग स्थिर रहा।

हेल्थकेयर के क्षेत्र में नवाचारों को वास्तविक दुनिया में क्लीनिकल प्रभाव में परिवर्तित करने के स्टार्टअप इंडिया विज़न के अनुरूप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के स्टार्टअप इंडिया और इनोवेशन आधारित ग्रोथ एजेंडा के अनुरूप, विश्व के अग्रणी मल्टीनेशनल हेल्थकेयर प्रदाता आईएचएच हेल्थकेयर (आईएचएच) ने अपनी सहायक फोर्टिस हेल्थकेयर के साथ मिलकर आज आईएचएच कैटेलिस्ट 7 फोर्टिस इंडिया एडिशन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नेशनल हेल्थकेयर इनोवेशन प्लेटफार्म है जिसे भारत के हॉस्पीटल इकोसिस्टम में मरीज केंद्रित, टेक्नोलॉजी आधारित सॉल्यूशंस के कार्यान्वयन में तेजी लाने के मकसद से तैयार किया गया है। यह पहल आईएचएच की व्यापक नवाचार रणनीति के अनुरूप है और इसे पिछले साल अक्तूबर में आईएचएच ग्लोबल इंक्यूबेटर में सबसे पहले प्रस्तुत किया गया था। अब इसे औपचारिक रूप देकर फोर्टिस के सहयोग से 'आईएचएच कैटेलिस्ट के तौर पर लॉन्च किया गया है, जो भारत में हेल्थकेयर के क्षेत्र में इनोवेशन के स्तर पर मौजूदा कमियों को दूर कर, हेल्थ-टेक और मेड-टेक को पायलट या कन्सेप्ट से आगे रियल-वर्ल्ड क्लीनिकल वैलिडेशन, अस्पतालों में इनके कार्यान्वयन में मददगार है। फोर्टिस हेल्थकेयर के नेटवर्क से संबद्ध और प्रोग्राम पार्टनर के तौर पर प्लग एंड प्ले से जुड़ा यह प्लेटफार्म ग्लोबल इनोवेशन विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए कार्यान्वयन में तेजी लाएगा। यह पहल हेल्थकेयर इनोवेशन एवं डिलीवरी एक्सीलेंस के ग्लोबल हब के तौर पर भारत की स्थिति को मजबूत बनाने की आईएचएच एवं फोर्टिस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस लॉन्च के बारे में, अशोक पंडित, ग्रूप चीफ कार्पोरेट ऑफिसर, आईएचएच हेल्थकेयर ने कहा भारत हेल्थकेयर के क्षेत्र में काफी बड़े बदलाव के महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां पूरा जोर इनोवेशन और वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम पर है। आईएचएच कैटेलिस्ट के माध्यम से, हम हेल्थकेयर में इनोवेशन को केवल प्रयोग तक सीमित नहीं रखते बल्कि इसे अस्पतालों के वास्तिवक वातावरण में उतारते हैं। भारत में इस पहल को फोर्टिस के साथ मिलकर, जो कि देश में हमारा प्राथमिक हेल्थकेयर प्लेटफार्म है, हमने मरीजों के लिए परिणामों को बेहतर बनाने, क्लीनिशियंस के सशक्तिकरण के साथ-साथ भारत समेत एशिया प्रशांत क्षेत्र में हेल्थकेयर डिलीवरी के भविष्य के लिए सार्थक रूप से योगदान करेगा।

भारत आज दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ रहे हेल्थकेयर स्टार्टअप इकोसिस्टम का हिस्सा है जो देखभाल (केयर) तक पहुंच, किफायत, गुणवत्ता और दक्षता के मोर्चे पर पेश आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रयासरत है। लेकिन अस्पतालों में बड़े पैमाने पर इसे अपनाने को लेकर अभी भी काफी अवरोध हैं। आईएचएच कैटेलिस्ट 7 फोर्टिस इंडिया एडिशन इन अवरोधों को कम करने के लिए स्टार्टअप्स को क्लीनिकल विशेषज्ञता, हॉस्पीटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने के साथ-साथ उनके वैलिडेशन और स्केल के लिए आगे की राह सुगम बनाता है। यह प्लेटफार्म कार्यान्वयन के लिए तैयार ऐसे स्टार्टअप पर ध्यान जमाएगा जो हॉस्पीटल वर्कफ्लो, मरीजों के लिए परिणामों एवं परिचालनगत दक्षता के लिए प्रासंगिक हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि इनोवेशन को भारत के लिए हेल्थकेयर को प्रभावित करने के लिए परिवर्तित किया जा सकता है।

वेदांता ने अपने कार्यबल में 50 फीसदी महिलाओं का लक्ष्य रखा, स्टेम में महिलाओं की 35 फीसदी भागीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल डे ऑफ वुमेन एंड गर्ल्स इन साइंस (11 फरवरी) के मौके पर वेदांता लिमिटेड ने घोषणा की है कि अब महिलाएं कंपनी की स्टेम फ्रेशर नियुक्तियों का 35 फीसदी से अधिक हिस्सा बनाती हैं, तथा लीडरशिप एवं मैनेजमेन्ट रोल्स को मिलाकर 45 फीसदी हो जाती हैं। इसी संवेग को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इस साल में स्टेम रोल्स में 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की नियुक्ति का लक्ष्य तय किया है।

यह उपलब्धि भारत के मैटल, माइनिंग, मैनुफैक्चरिंग और एनर्जी सेक्टर में लिंग समानता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ये वे उद्योग हैं जहां दुनिया भर में ऐतिहासिक रूप से पुरूषों का प्रभुत्व रहा है। संयुक्त राष्ट्र के 2026 इंटरनेशनल डे ऑफ वुमेन एंड गर्ल्स इन साइंस थीम के अनुसार, जिसमें विज्ञान की शिक्षा, इनोवेशन और लीडरशिप में लिंग समानता को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया है, यह घोषणा एकदम सही समय पर की गई है। महिलाएं भारत के स्टेम ग्रेजुएट्स का तकरीबन 40-45 फीसदी हिस्सा बनाती हैं, हालांकि युनेस्को इंस्टीट्यूट ऑफ स्टेटिसटिक्स के अनुसार वे ग्लोबल स्टेम कार्यबल में 30 फीसदी से भी कम योगदान देती हैं। ऐतिहासिक रूप से यह भागीदारी मैटल्स एवं माइनिंग जैसे सेक्टरों में और भी कम रही है, जहां दुनिया भर में प्रतिनिधित्व एक अंक में रहा है।

वेदांता की प्रगति दर्शाती है कि किस तरह स्थायी एवं उद्योग-उन्मुख कार्य, शिक्षा तथा दीर्घकालिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी करियर के बीच के अंतर को दूर कर रहे हैं।

मैटल्स एवं माइनिंग में महिलाओं की भागीदारी को दे रहे नया आयाम- पिछले कुछ सालों में, वेदांता ने मुख्य इंडस्ट्रियल भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी को नए सिरे से परिभाषित करके सेक्टर में अलग पहचान बनाई है। इसके संचालन में की गई पहलें मैटल्स और मैन्युफैक्चरिंग वैल्यू चेन में महिलाओं की बढ़ती मौजूदगी को दर्शाती हैं।

इस अवसर पर प्रिया अग्रवाल हेब्बर, नॉन-एक्ज़क्टिव डायरेक्टर, वेदांता लिमिटेड और चेयरपर्सन, हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने कहा, ''विज्ञान और टेक्नोलॉजी आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में भारत की यात्रा को आकार देंगे। वेदांता में हमारा मानना है कि भविष्य तब निर्मित होता है, जब प्रतिभा एक साथ विकसित होती है। भारत में पहली बार महिला माइनर्स को अंडरग्राउंड भेजने से लेकर खानों में नाईट शिफ्ट्स तथा सभी महिलाओं से युक्त एलुमिनियम प्रोडक्शन लाईन (पॉटलाईन्स) और लोकोमोटिव्स तक, हम यथा संभव सब कुछ दिखा रहे हैं। जब लड़कियां इन रास्तों पर आगे बढ़ती हैं, वे स्टेम को सिर्फ चुनती ही नहीं बल्कि इनका नेतृत्व भी करती हैं।''

डिजिटल बदलाव, एक समानता लाने वाले के रूप में- वेदांता के संचालन में आधुनिक डिजिटल तकनीकों का अडॉप्शन इस बदलाव को बढ़ावा दे रहा है। बढ़ते ऑटोमेशन, रियल-टाईम मॉनिटरिंग, मानक संचालन प्रक्रियाओं और डिजिटल सुरक्षा प्रणाली ने मैटल्स एवं माइनिंग के कार्यस्थल को अधिक सुरक्षित, पूर्वानुमान योग्य और समावेशी बनाया है। इन प्रयासों के चलते विभिन्न प्रकार के संचालन में महिलाओं के लिए नाईट शिफ्ट में काम करना आसान हुआ है, जो ओद्यौगिक भूमिकाओं में एक समान अवसर उपलब्ध कराने की वेदांता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वेदांता के बिज़नेस में महिला वैज्ञानिक, इंजीनियर और टेक्नोलॉजिस्ट- माइनिंग, मैटेलर्जी, प्रोसेस इंजीनियरिंग, एनवायरनमेंटल साइंस, डिजिटलीकरण और एनर्जी सिस्टम में परिणामों को आकार दे रहे हैं। उनका कार्य भारत को क्रिटिकल मिनरल्स, मैटल्स, ऑयल एंड गैस में आत्मनिर्भर बनाता है, डोमेस्टिक वैल्यू चेन को सशक्त बनाता है, इनोवेशन-उन्मुख दक्षता, विकार्बोनीकरण और ज़िम्मेदाराना संसाधन विकास के माध्यम से विश्वस्तरीय उर्जा रूपान्तरण में योगदान देता है।

जीवन के विभिन्न चरणों में प्रतिभा की रणनीति - यह तरक्की कई तरह की टैलेंट स्ट्रेटेजी पर टिकी है, जिसमें करियर की शुरुआत, तरक्की और लंबे समय तक बने रहना शामिल है। वेदांता फुल-टाइम और इंटर्नशिप रोल के लिए सिर्फ़ महिला- इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ पार्टनरशिप करती है, महिलाओं को करियर में तरक्की के रास्ते दिखाती है, और अपने लीडरशिप प्लेटफॉर्म के ज़रिए साइंस और टेक्नोलॉजी में महिला रोल मॉडल को बढ़ावा देती है। ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर महिलाओं को सपोर्ट करते हुए, कंपनी कई अनुकूल पॉलिसियां लेकर आई है जैसे जीवनसाथी को नौकरी पर रखना, जिससे महिलाओं के लिए आना-जाना आसान हो जाए, बच्चों की देखभाल के लिए एक साल का ब्रेक, और महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के कल्याण के लिए हर महीने एक दिन नो क्वश्चर आस्क्ड वर्क-फ्रॉम-होम। प्लांट लोकेशन के आस- पास इंटीग्रेटेड टाउनशिप स्कूल, हॉस्पिटल, डेकेयर सेंटर, मनोरंजन की सुविधाएं भी महिलाओं के लिए लंबे समय के करियर को आसान बनाते हैं।

राजसमंद में घर में छाप रहे थे नकली नोट, 2-गिरफ्तार

राजसमंद, 13 फरवरी। राजसमंद के जैतपुरा में जाली नोट छापते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजसमंद के केलवा थाना सर्कल में पुलिस ने जाली नोट छापने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई।

एएसपी महेन्द्र कुमार पारीक और डीएसपी ज्ञानेन्द्र सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी सुबोध जांगिड़ के नेतृत्व में टीम ने जैतपुरा गांव में दबिश दी। इस दौरान रोशनलाल गुर्जर के मकान में नारायण गुर्जर और कमलेश गुर्जर अवैध रूप से नकली नोट छापते हुए पकड़े गए। पुलिस ने मौके से 500 रुपए के 15 नोट (7,500 रुपए), 200 रुपए के 362 नोट (72,400 रुपए) और 50 रुपए के 4 नोट (200 रुपए) बरामद किए। इसके अलावा प्रिंटर, स्याही के कंटेनर, पेपर शीट, कटर, स्केल, जेल पेन और पारदर्शी कांच सहित उपकरण भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बामनवाड़ा में स्कूल के सामने मिला शव

बड़गांव, 13 फरवरी। रानीवाड़ा के बामनवाड़ा गांव में बुधवार शाम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सामने एक खाली जमीन पर एक व्यक्ति का शव मिला। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सबसे पहले एक बच्चे ने शव देखा और ग्रामीणों को सूचित किया, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर रानीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। अंधेरा होने के कारण टॉर्च की रोशनी में शव और घटनास्थल का मुआयना किया गया। मृतक की पहचान गांव के 35 वर्षीय मंगाराम पुत्र सवसीराम के रूप में हुई है। मंगाराम मजदूरी करता था और पिछले तीन दिनों से अपने घर नहीं गया था। शव पर चोट के गंभीर निशान मिले हैं। मृतक के शरीर पर मुंह नोचा हुआ था और गर्दन पर गहरा घाव था। रानीवाड़ा डिप्टी भवानी सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को रात में रानीवाड़ा मोर्चरी में रखवाया गया। गुरुवार सुबह जालौर से एसएफएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) और फिंगरप्रिंट टीम मौके पर पहुंचकर जांच करेगी। जांच के बाद शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा जाएगा। मृतक के भाई ने इस संबंध में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा।

आबूरोड में सीवर लाइन का काम कई साल से अधूरा

आबूरोड, 13 फरवरी। आबू रोड में तीन साल से अधिक समय से चल रहे सीवर लाइन के काम से शहरवासी परेशान हैं। संबंधित एजेंसी और ठेकेदार की ओर से उचित ध्यान नहीं दिए जाने के कारण सड़कों की हालत खराब हो गई है, जिससे आवागमन में भारी दिक्कतें आ रही हैं।

लोगों ने बताया कि पंचायत समिति से नगर पालिका तक, कॉलेज के पीछे लगभग 2 किलोमीटर के मार्ग पर 20 से अधिक मैनहोल अधूरे पड़े हैं। सड़कों की खुदाई के बाद मरम्मत न होने से कई स्थानों पर सड़क के बीच में नाली जैसी स्थिति बन गई है। बैंक ऑफ बड़ौदा के पास करीब एक साल से सड़क खुदी पड़ी है, जबकि शांतिनाथ गेस्ट हाउस के पास 100 फीट का हिस्सा कई सालों से अधूरा है। कुम्हार मोहल्ला और पानी की टंकी से नगर पालिका जाने वाले रास्ते पर भी ऐसी ही स्थिति है। शहर के जनप्रतिनिधियों ने समय-समय पर ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग की है। एसडीएम डॉ. अंशु प्रिया ने भी संबंधित एजेंसी को सड़कों की मरम्मत कर लोगों को राहत देने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद, सड़कों को आवागमन योग्य बनाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। इस संबंध में संबंधित एजेंसी एलएनटी के कंस्ट्रक्शन मैनेजर ब्रजेश चतुर्वेदी ने बताया - सड़कों की मरम्मत कराई जानी है। जनता की समस्या उनके ध्यान में है वर्तमान में वह डीजल सेट रोड पर सड़कों के मरम्मत कर रहे हैं। बैंक ऑफ बडौदा, गुरु नानक कॉलोनी के लिए सीवर पाइपलाइन खोदी जा रही है। यहां लाइट टेलीफोन व अन्य कनेक्शन के कारण काम देरी से हो रहा है।

बडाऊ में सांड से टकराई बाइक, एक युवक की मौत

खेतड़ी, 13 फरवरी। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के बडाऊ के पास देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। यह हादसा सड़क पर अचानक आए एक सांड से बाइक के टकराने के कारण हुआ। मृतक का पोस्टमार्टम गुरुवार को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में करवाया गया।

जानकारी के अनुसार, बजावा निवासी नेकीराम (18) पुत्र श्रवण कुमार अपने मामा रामनगर निवासी राजेश कुमार के साथ बाइक पर बडाऊ से रामनगर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक सांड आ गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बडाऊ के राजकीय अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने नेकीराम को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजेश का प्राथमिक उपचार किया गया। घटना की सूचना पर खेतड़ी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई। मृतक नेकीराम के पिता की भी दो साल पहले मौत हो चुकी थी। नेकीराम गाड़ी पर मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी एक बेटी है। हादसे की सूचना मिलने पर गुरुवार सुबह परिजन खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाया। एचसी रिशाली ने बताया कि परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चोरी का इल्जाम लगाकर समाज से किया बहिष्कृत

पाली, 13 फरवरी। पाली में एक व्यक्ति पर चोरी का इल्जाम लगाते हुए थाने में मामला दर्ज करवाया। लेकिन 11 महीने बाद भी पुलिस भी इस केस में कोई नतीजा नहीं दे सकी। इधर पीड़ित के खिलाफ दूसरे पक्ष ने जातीय पंचायत बुलाई। जिसमें पंचों ने बिना कानूनी और बिना किसी आधार से पीड़ित को चोरी का दोषी घोषित कर समाज से बहिष्कृत कर दिया।

जिससे उसे और उसके परिवार के लोगों को मानसिक और सामाजिक रूप से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आखिरकार पीड़ित ने समाज के 11 पंचों के खिलाफ मामला दर्ज करवाकर न्याय की गुहार लगाई है। मामला पाली जिले के रानी थाने का है। रानी कलां गांव के रहने वाले 35 साल के भूराराम पुत्र लक्ष्मणराम ने कोर्ट के जरिए समाज के 11 पंचों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि उसके समाज के ही पुनाडिया गांव निवासी पाबूराम पुत्र मोडाराम ने उस पर चोरी का आरोप लगाते हुए रानी थाने में 26 अगस्त 2024 को गहने चोरी करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई। लेकिन पुलिस उसमें कोई नतीजा नहीं दे सकी।

20 जुलाई 2025 को पाबूराम ने समाज की पंचायत बुलाई। जिसमें उसके परिवार को भी बुलाया गया। जहां जातीय पंचों ने उसे ओर उसकी पत्नी भंवरी को पाबूराम के गहने चोरी का दोषी मान लिया और समाज से बहिष्कृत कर दिया। ऐसे में समाज के लोगों ने उससे दूरी बना लिया ओर किसी भी सामाजिक कार्य में बुलाना और बात करना तक बंद कर दिया। जिससे उसे मानसिक और सामाजिक रूप से काफी क्षति पहुंची।

सरदारशहर में किसान कम वोल्टेज से परेशान

सहायक अभियंता कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन, 625 कृषि कनेक्शन प्रभावित

सरदारशहर, 13 फरवरी। सरदारशहर में कम वोल्टेज की समस्या से परेशान किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। बुकनसर बिजली जीएसएस के अंतर्गत आने वाले गाजूसर गांव के किसानों ने सरदारशहर स्थित सहायक अभियंता कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने करीब एक घंटे तक कार्यालय का गेट बंद कर धरना दिया। किसान नेता रुपाराम गोदारा ने बताया कि बुकनसर जीएसएस के अंतर्गत 6 बिजली फीडर संचालित हैं, जिनसे लगभग 625 कृषि कनेक्शन जुड़े हुए हैं। इन फीडरों पर लंबे समय से कम वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। किसानों को मोटर सुचारू रूप से चलाने के लिए करीब 425 वोल्टेज की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में उन्हें मात्र 250 से 315 वोल्टेज तक ही बिजली मिल रही है। कम वोल्टेज के कारण कृषि मोटरें बार-बार जल रही हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारियों की ओर से स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मजबूर होकर किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। इस संबंध में सहायक अभियंता राजेश कुमार मीणा ने कहा कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है और उनके समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। धरने के दौरान किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन में रुपाराम गोदारा, रामचंद्र गोदारा, विकास भाम्भू, वीरेंद्र सिंह, संजू भाम्भू, राकेश, रामलाल, देवकरण सिंह, सुरजाराम, दिलीप तिवारी, रामकुमार सारण, ओमप्रकाश गोदारा, राकेश भाम्भू और रामकिशन सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

बुजुर्ग-महिला को धक्का देकर सोने की कंठी छीनकर भागा बदमाश

बाड़मेर, 13 फरवरी। बाइक सवार बदमाश ने पहले बुजुर्ग महिला को गांव छोड़ने के बहाने साथ में बिठाया। फिर पंक्चर का बहान कर उसके गले से कंठी छिनकर भाग गया। घटना बाड़मेर जिले के सदर थाना इलाके कगाऊ-मालपुरा फांटा के पास की है। बुधवार को रिपोर्ट देने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार कगाऊ निवासी हनुमानराम पुत्र बांकासर ने 11 फरवरी को पुलिस थाना सदर में रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि 9 फरवरी की शाम के समय माता चुनी देवी अपना इलाज नोखड़ा हॉस्पिटल में करवाने के लिए गए थे। वहां से वापस गांव आने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। तभी एक युवक राजुराम पुत्र केसाराम बाइक लेकर आया। कहा कि मैं कगाऊ छोड़ देता हूं। बस आने से पहले छोड़ दूंगा।

विश्वास कर बुजुर्ग महिला उसके साथ बाइक पर बैठ गई। मालपुरा फांटा से एक किलोमीटर पहले बाइक पंचर होने का बहाना बनाकर मेरी मां को नीचे उतार दिया। पैदल-पैदल मालपुरा फांटा की ओर जाने लगी तभी राजुराम के मन में लालच आया। करीब 500 मीटर पीछा कर बुजुर्ग महिला को धक्का देकर नीचे गिरा दिया। गले में पहनी सोने की कंठी को तोड़कर लूट कर भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। आरोपी की तलाश शुरू कर दी। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया- आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आईपीएस (प्रोबेशनर) पुलिस थानाधिकारी मंजु चौहान के नेतृत्व में एसआई बगडूराम के नेतृत्व में टीम बनाई गई। टीम ने तकनीकी और सूचना के आधार पर आरोपी राजूराम (22) पुत्र केसाराम निवासी बांकासर सरली को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने पहले भी अपनी दादी की कंठी चुराना व दो छोटे खेलते बच्चों के गले में पहने फूल ब्लेड से धागा काटकर ले जाने की वारदात करना स्वीकार किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी माल बरामदगी का प्रयास कर रही है। कार्रवाई में एएसआई गोरधनराम, हैड कांस्टेबल परमवीर, कांस्टेबल सुरेश कुमार, शंकरसिंह, हनुमानराम, अशोक कुमार, भरत कुमार, मघाराम शामिल है।

श्री श्याम निशान यात्रा में चोर गिरोह की करतूत 5 महिलाओं के सोने के जेवरात पार

सूरतगढ़, 13 फरवरी। थानाधिकारी के नाम सब इंस्पेक्टर को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। सूरतगढ़ में श्री श्याम सखा और महिला मंडल की ओर से मंगलवार शाम निकाली गई भव्य निशान यात्रा में 5 महिलाओं के सोने के जेवरात चोरी हो गए। घटना के विरोध में बुधवार को मंडल पदाधिकारी और पीड़ित महिलाएं डीएसपी ऑफिस सहित सिटी पुलिस थाने पहुंचीं। थानाधिकारी के नाम सब इंस्पेक्टर सुभाष बरोला को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। श्री श्याम सखा मंडल के अध्यक्ष सोनू बवेजा ने बताया कि संस्था द्वारा 22 दिवसीय फाग महोत्सव के तहत विशाल श्री श्याम निशान यात्रा का आयोजन किया गया था। इस धार्मिक आयोजन में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान अत्यधिक भीड़ का लाभ उठाकर चेन चोरी करने वाले गिरोह की कुछ महिलाएं श्रद्धालुओं के बीच घुस गईं और पांच महिलाओं के गले से सोने की चेन तथा कानों की बालियां चोरी कर फरार हो गईं। घटना के विरोध में बुधवार को मंडल पदाधिकारी और पीड़ित महिलाएं डीएसपी ऑफिस सहित सिटी पुलिस थाने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि भीड़ ने एक संदिग्ध महिला को पकड़कर पुलिस के हवाले भी किया था, जिससे घटना के पीछे संगठित गिरोह होने की आशंका जताई जा रही है। धार्मिक आस्था से जुड़े ऐसे आयोजन में इस प्रकार की आपराधिक घटना को मंडल ने दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया है। पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला चोर गिरोह के अन्य सदस्यों को जल्द गिरफ्तार करने, चोरी हुए जेवरात बरामद करने और पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस से मुलाकात के दौरान पीड़ित महिलाएं प्रेमलता गोयल, अंजलि सिडाना, सरला देरासरी, वर्षा रानी दाधीच और राजरानी आहूजा मौजूद रहीं। इनमें राजरानी आहूजा की सोने की बालियां, जबकि अन्य महिलाओं की चेन चोरी हो गई। मंडल के उपाध्यक्ष रजनी मोदी, सचिव अंकुर लडोइया और सह सचिव अजय कालड़ा, शिवशंकर सारड़ा, सत्यनारायण तावनिया, राजेश चराया, पवन सिडाना, संतोष गिरी, सहित कई सदस्य डीएसपी से भी मिलने पहुंचे।

भारत-पाक बॉर्डर पर मिली 10 करोड़ की हेरोइन

बीकानेर, 13 फरवरी। भारत-पाक बॉर्डर पर बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में एक बार फिर पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन से हेरोइन गिराई गई है। बॉर्डर से 2 किमी दूर मिला 2 किलो 25 ग्राम हेरोइन का पैकेट मिला। 10 करोड़ रुपए की हेरोइन को बीएसएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जब्त कर लिया गया। खाजूवाला के कार्यवाहक एसएचओ हरपाल सिंह ने बताया - मंगलवार देर रात बॉर्डर के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। आशंका थी कि ड्रोन के जरिए मादक पदार्थ गिराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। रात करीब 1 बजे चक 14 बीडी के पास बॉर्डर से करीब दो किलोमीटर दूर एक पीले रंग का पैकेट बरामद हुआ। जांच में उसमें करीब 2 किलो 25 ग्राम हेरोइन होने की पुष्टि हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 10 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। बरामद पैकेट में दो छड़ें लगी हुई थीं, जिन्हें संभवत: ड्रोन से जोड़कर गिराने के लिए इस्तेमाल किया गया। शुरुआती जांच में साफ है कि तस्करों ने ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर सीमा पार से खेप भेजी। पुलिस ने अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पूगल थाना प्रभारी समरवीर को सौंपी है। आसपास के क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। खाजूवाला क्षेत्र में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 8 जनवरी को चक 40 केजेडी में भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई करीब ढाई करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की गई थी। उस समय 500 ग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई थी। सीमा क्षेत्र में लगातार ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी की कोशिशें सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

झुंझुनूं में 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों ने की नारेबाजी

झुंझुनूं, 13 फरवरी। झुंझुनूं में वेतन कटौती और कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर 108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने बुहाना में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने प्रशासन पर उनकी आर्थिक स्थिति से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो सेवाएं ठप कर दी जाएंगी। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने संबंधित कंपनी पर वेतन कटौती कर आर्थिक शोषण करने का आरोप लगाया। कर्मचारियों ने कहा कि समय पर और पूरा वेतन नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कर्मचारी यूनियन प्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपते समय बताया कि समस्या केवल वेतन तक सीमित नहीं है। उनका आरोप है कि जब कर्मचारी अपनी शिकायतें लेकर उच्च अधिकारियों के पास जाते हैं, तो उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता। अधिकारियों का अड़ियल और नकारात्मक रवैया कर्मचारियों में रोष का कारण बना हुआ है। बुहाना बीसीएमओ डॉ. जयवीर ने प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका ज्ञापन स्वीकार किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की मांगों और मौजूदा स्थिति से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। मामले की जांच और समाधान के लिए उन्होंने 7 दिन का समय मांगा है। एम्बुलेंस कर्मचारी यूनियन के नेता मनेन्द्र सिंह ने चेतावनी दी कि यदि 7 दिनों के भीतर वेतन कटौती की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो जिले भर में 108 एंबुलेंस सेवाओं का चक्का जाम किया जाएगा। मनेन्द्र सिंह ने कहा- हम दिन-रात मरीजों की सेवा में लगे रहते हैं, लेकिन हमारे हक के पैसों पर कैंची चलाई जा रही है। अगर 7 दिन में समाधान नहीं हुआ, तो मजबूरन हमें एंबुलेंस के पहिए रोकने पड़ेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

मारपीट से परेशान पत्नी ने पति को मार डाला

बेड पर लगे चद्दर से पति का मुंह दबाकर मारा, फिर कमरे में आग लगाकर निकल गई

बीकानेर, 13 फरवरी। बीकानेर के खाजूवाला में रोजाना की मारपीट से परेशान होकर एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। घटना के छह महीने बाद अब पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए महिला को गिरफ्तार कर लिया है। मामला खाजूवाला के चक 13 डीकेडी का है और घटना 11 अगस्त 25 को हुई थी। पुलिस को 11 अगस्त 2025 को सूचना मिली थी कि एक युवक का शव बरामद हुआ है। जो जला हुआ है। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। मौत को हादसा बताया गया था कि आग लगने के कारण राजकुमार की मौत हो गई। मृतक राजकुमार के पिता पप्पुराम ने अपने बेटे की मृत्यु पर संदेह जाहिर करते हुए खाजुवाला थाना मे प्रकरण दर्ज करवाया था। बीकानेर के नयाशहर थाना प्रभारी सुश्री कविता पूनियां व श्रीमती कौशल्या हैका भी ने इस मामले को गंभीरता से लिया और महिला से पूछताछ की। मौके पर घटना स्थल निरीक्षण एफएसएल टीम द्वारा किया जाकर साक्ष्य जुटाऐं गये, जिसके आधार पर राजकुमार बाजीगर की मृत्यु सामान्य परीस्थितयो से भिन्न होना पाया गया। जांच में मृतक राजकुमार की पत्नी श्रीमती वीरपाल की भूमिका सद्दिग्ध पाये जाने पर उसे तलब कर कविता पुनिया थानाधिकारी नयाशहर व कौशल्या हैडकानि व रामकुमार सउनि ने प्रश्नावली तैयार कर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की। जिसके जवाब संदिग्ध वीरपाल कौर नही दे पाई तथा अन्त मे वीरपाल कौर सच बताने के लिये मजबुर हो गई। आरोपिया ने स्वीकार किया कि उसका पति रोजाना मारपीट करता था, इसी से तंग आकर उससे हमेशा के लिये पीछा छुडाने के लिये बैड पर बिछी चादर से पति राजकुमार का मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। कमरे मे रखी अलमारी मे आग लगा कर कमरा बाहर से बन्द कर दिया व महेन्द्र बाजीगर की ढाणी में चली गई। सुबह वापस ढाणी आई तथा पति के मर जाने की खबर पिता व पुलिस को दी। अनुसंधान से आरोपिया वीरपाल कौर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गिरफतार कर लिया गया है। उसे न्यायालय मे पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा मे भिजवाया गया है। पुलिस उप अधीक्षक महिला अपराध सेल संजीव चौहान, नयाशहर थानाधिकारी कविता पुनिया, महिला थानाधिकारी विशु वर्मा, एएसआई राम कुमार व हेड कांस्टेबल कौशल्या व भगवान सिह की विशेष भूमिका रही।

खेतड़ीनगर में श्रमिक संगठनों ने किया कार्य बहिष्कार मांगों को लेकर की नारेबाजी

खेतड़ी, 13 फरवरी। खेतड़ीनगर में खेतड़ी ताम्बा श्रमिक संघ (एटक) ने केंद्रीय श्रम संगठनों के आह्वान पर गुरुवार को कार्य बहिष्कार किया। श्रमिकों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्य गेट पर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। केटीएसएस के महामंत्री बिड़दूराम सैनी ने बताया- केंद्रीय श्रम संघों ने यह हड़ताल सरकार द्वारा 21 नवंबर 2025 को लागू की गई चार श्रम संहिताओं और श्रम शक्ति नीति 2025 के विरोध में बुलाई है। सैनी के अनुसार, ये नई संहिताएं भारत के मजदूर वर्ग द्वारा पिछले 100 वर्षों के संघर्ष से हासिल किए गए अधिकारों को कम या समाप्त कर देंगी। इनमें नियोजकों की जिम्मेदारियों और सजाओं में भारी छूट दी गई है, जबकि मजदूरों और यूनियनों के लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन संहिताओं से यूनियन बनाना और चलाना कठिन हो जाएगा, साथ ही मजदूरों की सौदेबाजी की शक्ति (बार्गनिंग पॉवर) कमजोर होगी। जांच और कार्यवाही के अधिकार लगभग समाप्त हो जाएंगे और बड़ी संख्या में कामगार कानूनों के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कारखाना की परिभाषा में कामगारों की संख्या (बिजली सहित) 10 से 20 और (बिना बिजली) 20 से 40 कर दी गई है, जबकि छंटनी, बंदी और स्थायी आदेशों में यह संख्या 100 से 300 कर दी गई है। इस स्थिति को देखते हुए खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स में स्थायी और ठेका कामगारों के साथ-साथ उद्योग और जिले की मांगों के लिए हड़ताल का नोटिस दिया गया था। इस संबंध में 4 फरवरी को क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केंद्रीय) जयपुर और 9 फरवरी को उपमुख्य श्रमायुक्त (केंद्रीय) अजमेर कैंप जयपुर में समझौता वार्ता हुई थी। एचसीएल प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श के बाद प्रत्येक पारी में दो घंटे का कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय के संबंध में केसीसी के कार्यपालक निदेशक जीडी गुप्ता को एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

डमी कैंडिडेट से बने कॉन्स्टेबल, 10 साल बाद पकड़े गए

बाड़मेर, 13 फरवरी। बाड़मेर में 2014 की भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाकर कॉन्स्टेबल बन गए। 10 साल बाद सेवा रिकॉर्ड की जांच में हस्ताक्षर मिसमैच मिलने पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (स्ह्लत्र) ने तीन कॉन्स्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसपी की रिपोर्ट के बाद जांच में फर्जीवाड़ा सामने आया है। एसआई, कॉन्स्टेबल, शिक्षक और चतुर्थ श्रेणी भर्ती तक में गड़बड़ियों की जांच चल रही है। इसी कड़ी में बाड़मेर के तीन कॉन्स्टेबल अब स्ह्लत्र की कार्रवाई की जद में आए हैं। बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने 8 अक्टूबर 2025 को स्ह्लत्र को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी थी। साल 2015 में नियुक्त हुए कॉन्स्टेबलों के सेवा रिकॉर्ड की समीक्षा के दौरान दस्तावेजों में संदेहास्पद स्थिति सामने आई। जांच में पाया गया कि ओमप्रकाश पुत्र हरदानाराम निवासी कालाणसरा पादरू (सिवाना), गंगाराम पुत्र केसरीमल निवासी ढाकों का गोलिया कबुली (धोरीमन्ना) और सुमेरमल पुत्र महावीर प्रसाद निवासी बीकमसरा (सरदारशहर, चूरू) के बायोमैट्रिक आवेदन-पत्र, ओएमआर शीट और अन्य दस्तावेजों में हस्ताक्षर आपस में मेल नहीं खाते। आवेदन-पत्र, ओएमआर शीट, प्रवेश पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेजों की रंगीन प्रमाणित प्रतियां मंगवाकर जांच की। तकनीकी शाखा से मोबाइल नंबरों के भी खंगाले गए।

दस्तावेजों के मिलान में एडमिट कार्ड और ओएमआर शीट पर लगे फोटो व हस्ताक्षर आपस में मेल नहीं खाते पाए गए। अन्य कागजातों में भी हस्ताक्षरों की शैली अलग-अलग मिली। प्राथमिक जांच के आधार पर तीनों कॉन्स्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच में परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित सहयोगियों की भूमिका भी खंगाली जाएगी।

वर्तमान में ओमप्रकाश बाड़मेर कोतवाली थाने में तैनात है। गंगाराम थाना सेड़वा (बाड़मेर) में पदस्थ है, जबकि सुमेरमल एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) जयपुर में कार्यरत है। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता को लेकर चल रही सख्त कार्रवाई के बीच यह मामला एक और बड़ी कड़ी माना जा रहा है। भर्ती में फर्जीवाड़ा करने वालों पर सरकार और जांच एजेंसियों का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है।

मासूम को बचाने टांके में कूदी मां, दूसरा-बेटा भी गिरा

बाड़मेर, 13 फरवरी। 6 साल के बेटे को बचाने के लिए मां टांके में कूद गई। पीछे-पीछे 3 साल का मासूम भी टांके में गिर गया। डूबने से तीनों की मौत हो गई। घटना बालोतरा जिले के गिड़ा थाना इलाके निम्बा की ढाणी गांव में दोपहर करीब 4 बजे की है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों के शवों को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस के अनुसार-निम्बा की ढाणी गिड़ा निवासी देवी (29) पत्नी प्रेम कुमार खेत में काम कर रही थी। उसके दो मासूम बेटे पास में खेल रहे थे। बड़ा बेटा अर्जुन खेलते-खेलते टांके में गिर गया। मां ने टांके में गिरता देखकर उसको बचाने के लिए पीछे-पीछे वो भी खुद गई। 3 साल का बेटा धर्मेंद्र मां के पीछे-पीछे टांके में गिर गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर सास और ससुर भाग कर आए। आसपास के लोगों को बुलाकर तीनों को टांके से बाहर निकाला। गिड़ा हॉस्पिटल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गिड़ा पुलिस भी मौके पर पहुंची।

पुलिस ने तीनों के शवों को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया। पुलिस ने पीहर पक्ष को सूचना दी। गिड़ा थानाधिकारी दलतपसिंह ने बताया कि परिजनों ने किसी तरह का संदेह नहीं जताते हुए हादसा बताया है। रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर ली है। रात होने के कारण पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया। सुबह आगे की कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। जानकारी के अनुसार-मृतका की शादी 10 साल पहले हुई थी। पति प्लास्टर का काम करता है। काम के सिलसिले में वह बाहर ही रहता है। मृतका और दो बेटे सास और ससुर के साथ गांव में ही रहते है।

झुंझुनूं की सड़कों पर फूटा अक्रोश केंद्र की नीतियों के खिलाफ मजदूरों और किसानों का हल्ला बोलट्रंप-मोदी का पुतला फूंका

झुंझुनूं, 13 फरवरी। मजदूर संगठनों द्वारा अधिकारों के हनन के खिलाफ शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी आंदोलन की गूंज आज झुंझुनूं में भी सुनाई दी। केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी और किसान विरोधी% नीतियों के खिलाफ जिले के विभिन्न संगठनों ने एकजुट होकर कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंक कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन की शुरुआत शहर के शिक्षक भवन से हुई, जहां बड़ी संख्या में मजदूर, किसान, विद्यार्थी और आशा सहयोगिनियां एकत्रित हुए। यहां से एक विशाल रैली निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने मजदूर एकता जिंदाबाद और व्यापारिक समझौते रद्द करो जैसे नारों के साथ आसमान गुंजा दिया। कलेक्ट्रेट पर सभा को संबोधित करते हुए प्रमुख किसान नेता महिपाल पूनियां ने केंद्र सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा केंद्र सरकार ने ट्रंप के साथ जो व्यापारिक समझौते किए हैं, वे पूरी तरह से किसान और मजदूर विरोधी हैं। देश के स्वाभिमान को ताक पर रखकर घुटनों के बल बैठकर किए गए इन समझौतों को तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। सरकार मजदूरों के दशकों पुराने अधिकारों को खत्म कर उन्हें कॉरपोरेट का गुलाम बनाना चाहती है। किसान संगठन= एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की मांग को लेकर डटे रहे। एसएफआई यूजीसी के नियमों को सख्ती से लागू करने और छात्र हितों की रक्षा की मांग की। आशा सहयोगिनी= लंबे समय से उठ रही राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को प्रमुखता से उठाया। युवा शक्ति बेरोजगारी और श्रम कानूनों में बदलाव के खिलाफ युवाओं ने हुंकार भरी। मजदूर अधिकार श्रम कानूनों में किए गए बदलावों को वापस लिया जाए और मजदूरों के छीने गए अधिकारों को बहाल किया जाए। एमएसपी की गारंटी= किसानों को उनकी फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानूनी अधिकार मिले। आशा सहयोगिनी= मानदेय के बजाय आशा सहयोगिनियों को नियमित कर राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए। शिक्षा= उच्च शिक्षा में यूजीसी के मानकों को सही ढंग से लागू किया जाए। कलेक्ट्रेट के घेराव के बाद प्रदर्शनकारियों ने मोदी और ट्रंप के पुतले को आग के हवाले किया। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी जायज मांगों पर ध्यान नहीं दिया और मजदूर-किसान विरोधी नीतियों को बंद नहीं किया, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

गोविंदा के रिप्लेस होने पर टूटी भागम-भाग की तिकड़ी,

परेश रावल ने किया रिएक्ट, बोले- अक्षय-मनोज की जोड़ी...

कुछ दिनों पहले ही यह खबर सामने आई थी कि 2006 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म भागम-भाग के सीक्वल से गोविंदा को रिप्लेस कर दिया गया है और उनकी जगह मूवी में मनोज बाजपेयी ने ले ली है। भागम-भाग के सीक्वल में लोगों को मनोज बाजपेयी और अक्षय कुमार की जुगलबंदी देखने को मिलेगी, इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर गोविंदा के फैंस बुरी तरह से भड़क गए थे और मनोज बाजपेयी को इस रोल के लिए अनफिट बताया था। गोविंदा के रिप्लेस होने पर अब इस फिल्म के मुख्य कलाकारों में से एक एक्टर परेश रावल ने रिएक्ट किया है। बॉलीवुड हंगामा से खास बातचीत में अभिनेता परेश रावल ने बताया कि वह भागम-भाग के सीक्वल में डबल रोल में दिखाई देंगे। इसके साथ ही उन्होंने मनोज बाजपेयी फिल्म का हिस्सा होंगे, इस खबर को भी कन्फर्म कर दिया है। गोविंदा और अक्षय की पेयरिंग ने तो सबको हंसाया था।

साबुन की ब्रांड एंबेसडर बनकर विवादों में फंसी तमन्ना भाटिया

बीजेपी सांसद बोले- कन्नड़ एक्ट्रेस क्यों...

कर्नाटक का प्रसिद्ध मैसूर चंदन साबुन (मैसूर सैंडल सोप), जो 108 साल पुराना है, अब दोबारा लॉन्च हो रहा है। इसी साबुन के लिए अब तमन्ना भाटिया को इसका ब्रांड एंबेसडर चुना गया है। जिससे कई राजनेता सहमत नहीं हैं।

तमन्ना भाटिया बनीं ब्रांड एंबेसडर

मैसूर चंदन साबुन की कंपनी ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। तमन्ना मुंबई में जन्मी हैं और मुख्य रूप से हिंदी-तेलुगु-तमिल फिल्मों में काम करती हैं। पिछले साल मई में उन्हें 6.2 करोड़ रुपये में दो साल के लिए यह कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। अब फरवरी 2026 में साबुन का नया लुक और पैकेजिंग के साथ रीलॉन्च हुआ है, जिसमें तमन्ना की तस्वीर वाला पोस्टर भी जारी किया गया।

क्या है विवाद

तमन्ना को मैसूर चंदन साबुन का ब्रांड एंबेसडर बनाने के इस फैसले पर काफी विवाद हो रहा है। कई लोग, खासकर कन्नड़ समर्थक और राजनीतिक नेता कह रहे हैं कि कंपनी को कर्नाटक की किसी स्थानीय कन्नड़ अभिनेत्री को चुनना चाहिए था, जैसे रश्मिका मंदाना, पूजा हेगड़े, श्रीनिधि शेट्टी या राम्या। भाजपा के सांसद के. सुधाकर ने इसे कांग्रेस सरकार की कन्नड़ विरोधी सोच बताया और कांग्रेस को गद्दार पार्टी कहकर आलोचना की। उनका कहना है कि यह कर्नाटक की प्रतिभा और मैसूर साबुन की विरासत का अपमान है।

एम.बी. पाटिल की राय

लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा कि यह फैसला मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की सलाह से लिया गया है। कंपनी डिजिटल मार्केटिंग, निर्यात और नए प्रोडक्ट्स पर फोकस कर रही है ताकि ब्रांड को देश और दुनिया में बड़ा बनाया जा सके।

क्या है कंपनी का लक्ष्य

यह कंपनी कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड की सरकारी कंपनी है। कंपनी उत्तर भारत में अपनी पहुंच बढ़ाना चाहती है और 2030 तक अपना सालाना कारोबार 5,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखती है।

हनुमानजी की जन्मस्थली पहुंचे चंकी पांडे, विशेष पूजा-अर्चना

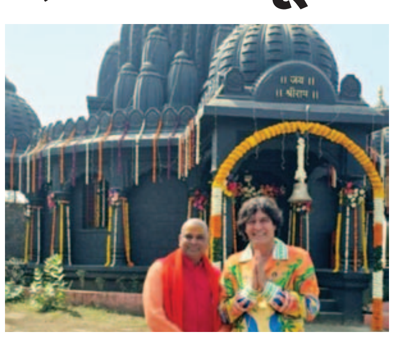

अभिनेता चंकी पांडे अपने मजाकिया अंदाज को लेकर दर्शकों के बीच खास पहचान रखते हैं। हाल ही में अभिनेता ने रामभक्त हनुमान की जन्मस्थली के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने लोकसभा सदस्य साक्षी महाराज से मुलाकात की। चंकी पांडे ने इस पवित्र यात्रा की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कीं। तस्वीरों में चंकी मंदिर में पूजा करते नजर आ रहे हैं। कुछ फोटोज में वे पंडित जी के साथ नजर आ रहे हैं, तो एक में वे साक्षी महाराज के साथ पोज देते हुए भी दिख रहे हैं। अभिनेता ने लिखा, जय हनुमान जी। नाशिक के अंजनेरी पहाड़ियों के पास स्थित हनुमान जी मंदिर में सुंदर दर्शन हुए। यह हनुमान जी की जन्मस्थली है। अभिनेता के पोस्ट शेयर करने के बाद उनके फैंस और इंडस्ट्री के कई लोगों ने कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने हार्ट और फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। रामभक्त हनुमान की जन्मस्थली महाराष्ट्री के नासिक जिले में स्थित अंजेरी पहाड़ियों के पास स्थित है। यह जगह हनुमान भगवान की जन्मस्थली मानी जाती है। कहा जाता है कि यहीं पर माता अंजना ने पवनपुत्र को जन्म दिया था।

अंकिता लोखंडे ने मां के जन्मदिन पर लुटाया प्यार

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे की मां मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने मां के लिए खास अंदाज में इंस्टाग्राम पर मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी मां को ताकत और सबसे अच्छी दोस्त बताया।

15 साल की उम्र में जीता मिस आंध्र का खिताब, प्लेबॉय में फोटोशूट से मिली शोहरत

हिंदी सिनेमा में जहां सशक्त मुख्य भूमिकाओं के लिए अभिनेत्रियों की अहमियत बनी रही है, वहीं कुछ बोल्ड अभिनेत्रियों और मॉडलों ने भी अपनी अलग पहचान बनाई है। इन कलाकारों ने पारंपरिक अभिनय से इतर अपनी बेबाक छवि और बोल्ड प्रजेंटेशन के जरिए दर्शकों के बीच खास जगह बनाई। इसी कड़ी में नाम आता है शर्लिन चोपड़ा का, जो 11 फरवरी को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। आज भी वह ओटीटी मंचों पर सक्रिय हैं और अपने बोल्ड दृश्यों के कारण चर्चा में रहती हैं। मीडिया में भी उनकी मौजूदगी लगातार बनी रहती है, जिससे वह सुर्खियों में रहती हैं। कम ही लोग जानते हैं कि शर्लिन चोपड़ा को असली पहचान फिल्मों के जरिए नहीं, बल्कि मैग्जीन जगत से मिली। एक प्रतिष्ठित मैग्जीन में उनकी बोल्ड फोटोज ने उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी चर्चा का विषय बनीं।

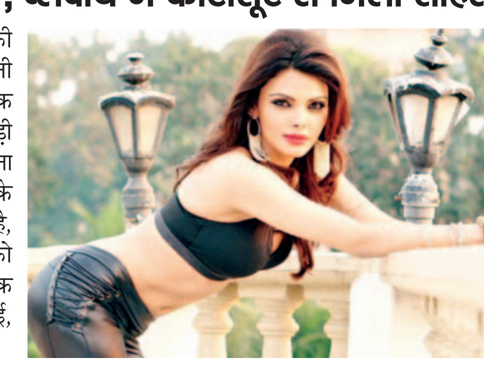

सीरियल में काम करने के खिलाफ थे माता-पिता, 8 महीनों तक नहीं की थी बात

मिमी चक्रवर्ती

बॉलीवुड, बंगाली सिनेमा, टीवी और गायिका के तौर पर अपनी किस्मत आजमा चुकी बंगाली ब्यूटी मिमी चक्रवर्ती किसी से कम नहीं हैं। अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती राजनीति में जलवे दिखा चुकी हैं। अभिनेत्री का 11 फरवरी को 37वां जन्मदिन है। इस मौके पर हम आपको बताएंगे कि कैसे मिमी ने बिना अपने पेरेंट्स को बताए सिनेमा में कदम रखा और फिर आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में जन्मी मिमी चक्रवर्ती के सपने बचपन से ही बड़े थे, और वे एक्ट्रेस देखने के सपने तब देख रही थीं, जब उन्हें ठीक से टीवी बॉक्स और सिनेमा के बारे में पता नहीं था। मिमी के माता-पिता नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी कभी भी इंडस्ट्री का हिस्सा बने, और यही कारण था कि मिमी ने अपने पहले सीरियल की जानकारी भी माता-पिता को नहीं दी। मिमी ने गानेर ओपारे% से टीवी पर अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उनके माता-पिता को प्रोमो रिलीज होने के बाद इस बात की खबर लगी थी कि मिमी पढ़ाई की जगह सीरियल में काम कर रही हैं। इस बात का खुलासा खुद मिमी ने किया था कि कैसे उनके पिता ने उनसे 7-8 महीनों तक बात नहीं की थी, लेकिन बाद में उनके सपनों को समझा। मिमी ने इंटरव्यू में कहा था, गानेर ओपारे का प्रोमो रिलीज होने के बाद अचानक से मां का फोन आया था और उन्होंने प्रोमो के बारे में पूछा। उस वक्त मैंने झूठ बोल दिया था कि प्रोमो में मैं नहीं कोई और है, लेकिन बाद में जब सारी चीजें खुलने लगीं, मम्मी और पापा दोनों को गुस्सा आया क्योंकि उनका कहना था कि पुणे पढ़ाई करने के लिए भेजा था, न कि शूटिंग के लिए। उस वक्त पापा ने 7-8 महीने तक मुझसे बात नहीं की थी। मिमी की बचपन से बॉलीवुड फिल्मों में काम करने की इच्छा थी, और जब उन्हें टीवी बॉक्स के बारे में पता नहीं था, तब से वे टीवी पर काम करने के सपने देख रही थीं।

उनका इस्तेमाल किया जा रहा था...

दिव्या भारती की मौत के सालों बाद उनके दोस्त ने किए कई चौंकाने वाले खुलासे; बोले-वो करियर से खुश थीं लेकिन...

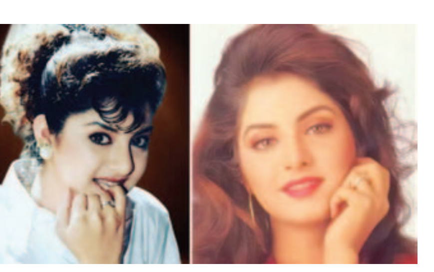

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिव्या भारती ने अपने करियर की शुरुआत में ही वो सफलता हासिल की, जिसे हासिल करने में कई कलाकारों को सालों लग जाते हैं। एक्ट्रेस ने 13 हिंदी फिल्मों में काम किया था और कई ऐसी फिल्में थीं, जिनके काफी हिस्से की वो शूटिंग कर चुकी थीं, लेकिन उनकी अचानक मौत से वो फिल्में अधूरी रह गईं और बाद में अन्य एक्ट्रेसेस की झोली में गिरीं। दिव्या भारती ने साल 1992 में हिंदी फिल्मों में अपनी पहचान बनाना शुरू की थी और साल 1993 में उन्होंने इस दुनिका को अलविदा कह दिया। उनकी मौत की गुत्थी आज भी सुलझी नहीं है। उनके अचानक जाने ने न केवल फैंस को सदमा दे दिया था, बल्कि उनकी मौत को लेकर कई तरह की बातें भी सामने आईं। आधिकारिक तौर पर इसे एक हादसा बताया गया, लेकिन इसके पीछे आत्महत्या और हत्या की साजिश जैसी कई थ्योरीज सामने आईं, जो आज तक एक राज बनी हुई हैं। एक्ट्रेस के दोस्त राजू ने उनकी मौत के लगभग 33 सालों बाद उनकी जिंदगी से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। चलिए आपको बताते हैं कि उन्होंने क्या कहा है? राजू श्रेष्ठ ने दिव्या भारती की पर्सनल लाइफ को लेकर कई चौंकाने वाली बातें कहीं। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि दिव्या राफी अरेली और दुखी थीं, वो अपनी पर्सनल लाइफ से बिल्कुल भी खुश नहीं थीं, वो अपने करियर में बेहद खुश थी, लेकिन निजी जिंदगी से परेशान थीं। राजू ने इन बातों की ज्यादा गहराई में न जाते हुए कहा कि अब इतने सालों बाद उनका नाम लेकर किसी तरह का विवाद खड़ा करना सही नहीं होगा।

दिव्या भारती से जुड़ी बातें करते हुए राजू ने ये भी कहा कि दिव्या को ऐसा महसूस होता था कि वो लगातार काम कर रही हैं और पैसे कमा रही हैं, लेकिन लोग उनके पैसों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और ये बात उन्हें बहुत परेशान करती थी। दिव्या भारती की मौत 5 अप्रैल, 1993 को उनके अपार्टमेंट की पांचवी मंजिल की खिड़की से गिरने से हुई थी और बाद में इसे एक हादसा बताया गया था हालांकि, इसके तार कई पहलुओं से जुड़े थे, लेकिन आज भी उनकी मौत से जुड़ी कई ऐसी बातें हैं, जो राज ही हैं। इंटरव्यू में राजू ने ये भी बताया कि दिव्या की मौत के बाद वो सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे थे और सबसे आखिर में वो ही वहां से निकले थे।

दृश्यम 3 में हुई साउथ के दिग्गज एक्टर की एंट्री

अजय देवगन के साथ पहले भी दे चुका है ब्लॉकबस्टर

दृश्यम 3 बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड मूवीज में शुमार है। अजय देवगन की ये फिल्म बीते समय से लगातार सुर्खियां बटोर रही है। अब साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता की एंट्री के बाद दृश्यम 3 दोबारा से चर्चा में आ गई है। सस्पेंस थ्रिलर में जिस एक्टर की एंट्री हुई है वह पहले भी अजय के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचा चुका है। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन सा साउथ फिल्म कलाकार है, जो दृश्यम 3 में नजर आएगा।

दृश्यम 3 में हुई इस एक्टर की एंट्री

जिस एक्टर के बारे में इस लेख में बात की जा रही है वह अजय देवगन के साथ सिंघम और गोलमाल अगेन जैसी सफल फिल्मों में नजर आ चुका है। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि वह साउथ फिल्म अभिनेता कोई और नहीं बल्कि प्रकाश राज हैं। प्रकाश ने मंगलवार को अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर ट्वीट कर इस बात का जानकारी दी है कि उन्होंने दृश्यम 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। इस दिलचस्प फ्रेंचाइजी दृश्यम 3 की हिंदी में शूटिंग शुरू कर दी है। एक शानदार टीम और एक शानदार रोल के साथ। मुझे यकीन है कि आपको यह पसंद आएगी। ध्यान देने वाली बात ये है कि मैं किसी को रिप्लेस नहीं कर रहा हूं। प्रकाश राज के इस बयान से साफ हो गया है कि उन्होंने अक्षय खन्ना को इसमें रिप्लेस नहीं किया है। हाल ही में दृश्यम 3 के मेकर्स ने इस बात का जानकारी दी थी कि धुरंधर की रिलीज से एक दिन पहले अक्षय ने फिल्म को छोड़ दिया था, जिसके लिए उन्होंने बीते नवंबर में करार साइन किया था। पहले दो भाग की अपार सफलता के बाद मेकर्स आने वाले समय में दृश्यम 3 के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे।

आसमान छू रहीं दिलजीत दोसांझ के ऑरा वर्ल्ड टूर के टिकट की कीमतें

11 हजार से हो रही शुरुआत

दिलजीत दोसांझ अपनी हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच पंजाबी सुपरस्टार ने नॉर्थ अमेरिका में अपना 2026 ऑरा वर्ल्ड टूर लॉन्च कर दिया है।

दिलजीत के 2025 एल्बम ऑरा के लिए टूर का एलान फरवरी की शुरुआत में किया गया था। इसमें बताया गया था कि टिकट की प्री-सेल 10 फरवरी से जबकि जनरल सेल 13 फरवरी से शुरू होंगी।

इन जगहों पर होंगे कॉन्सर्ट

ऑरा वर्ल्ड टूर 23 अप्रैल, 2026 को वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम से शुरू होगा। फिर कैलगरी, एडमोंटन, विनिपेग और टोरंटो समेत कई कनाडाई शहरों से होते हुए यूनाइटेड स्टेट्स जाएगा। अमेरिका में इसके स्टॉप में रोजमोंट, डलास, नैशविले, अटलांटा और न्यूयॉर्क शामिल हैं। 20 जून को सैन फ्रांसिस्को में इसका समापन होगा।

कितनी है टिकटों की कीमत?

टूर के लिए टिकट की कीमतें शहर और जगह के हिसाब से बहुत अलग-अलग हैं। अभी की लिस्टिंग के मुताबिक, किआ सेंटर में ऑरलैंडो जैसे शो के लिए बेस प्राइस लगभग 11,500 रुपये से शुरू होती है। मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसी जगहों पर टिकट लगभग 26,000 रुपये के आस-पास मिल रहे हैं। सैन फ्रांसिस्को में चेस सेंटर जैसे प्रीमियम शो के टिकट लगभग 23,241 के आस-पास मिल रहे हैं। टिकटों की यादा कीमत दिलजीत की जबरदस्त ग्लोबल पॉपुलैरिटी को दिखाती है। मुश्किल में श्रेयस तलपड़े! यूपी के मैनपुरी में दर्ज हुआ केस; इस मामले में पुलिस ने शुरू की जांच

दिलजीत दोसांझ का वर्कफ्रंट

दिलजीत दोसांझ सिंगर, एक्टर और अभिनेता हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के अलावा पंजाबी सिनेमा में भी काम किया है। दिलजीत ने साल 2003 में एल्बम इश्क दा उड़ा दा से सिंगिंग में डेब्यू किया। साल 2011 में उन्होंने फिल्म द लायन ऑफ पंजाब से अभिनय करियर की शुरुआत की। जल्द ही वह पंजाबी फिल्म पंजाब 95 में नजर आएंगे।

देश का सबसे बड़ा थिएटर फेस्टिवल जयपुर में

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 4 दिन देशभर के नाटकों की होगी प्रस्तुति

जयपुर, 13 फरवरी। 25वें भारत रंग महोत्सव (भारंगम) 2026 का जयपुर अध्याय 13 फरवरी से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुरू होगा। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित विश्व के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय रंग महोत्सव के 25वें भारत रंग महोत्सव (भारंगम)- 2026 का जयपुर एडिशन 13 फरवरी से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुरू होगा। यह महोत्सव 13-14 फरवरी और 18-19 फरवरी 2026 को आरआईसी के मुख्य सभागार में आयोजित किया जाएगा। भारंगम के जयपुर एडिशन के संयोजक ऋषिकेश शर्मा, एनएसडी के पूर्व छात्र एवं आरआईसी, जयपुर के कार्यक्रम अधिकारी रक्षित हूजा ने बताया कि जयपुर एडिशन इस साल की केंद्रीय थीम संवाद संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करता है। यह थीम भारत की विविध रंगपरंपराओं, कलात्मक नवाचारों और सांस्कृतिक संवादों को एक मंच पर लाने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन कलाओं की समृद्ध परंपरा के कारण जयपुर भारत रंग महोत्सव का महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्र बना हुआ है और यहां के दर्शकों का उत्साह हर साल इसे विशेष बनाता है रा.ना.वि. के निदेशक चित्तारंजन त्रिपाठी ने जयपुर के नाट्यप्रेमियों को संदेश देते हुए कहा कि जयपुर ने सदैव रंगकला को आत्मीयता और गरिमा के साथ स्वीकार किया है। भारत रंग महोत्सव का 25वां संस्करण इस ऐतिहासिक शहर में आयोजित होना इस विश्वास को मजबूत करता है कि पारंपरिक और आधुनिक कला रूप साथ मिलकर सुंदरता से विकसित हो सकते हैं। महोत्सव का उद्घाटन 13 फरवरी को नाटक राष्ट्रनायक- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से होगा। इसका लेखन ज्योति जेलिया ने किया है और निर्देशन सज्जाद हुसैन खान द्वारा किया गया है। यह प्रस्तुति ज्योति आर्ट्स, दिल्ली द्वारा हिंदी में मंचित की जाएगी। 14 फरवरी को दर्शक नाटक अम्रपाली और बुद्ध का आनंद लेंगे, जिसका लेखन एवं निर्देशन वी. अनुराधा सिंह ने किया है। इसे भोपाल के वृंदा केन्द्र समूह द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

18 फरवरी को विलियम शेक्सपीयर की प्रसिद्ध कृति हैमलेट का मंचन होगा। इसका निर्देशन शिवा तुमु ने किया है और प्रस्तुति जयपुर विश्वविद्यालय के ड्रामा विभाग द्वारा दी जाएगी। महोत्सव का समापन 19 फरवरी को एकल नृत्य-नाट्य प्रस्तुति नाचनी के साथ होगा। इसे भानु भारती प्रस्तुत करेंगे, निर्देशन महौर भाटिया का है और मंचन कैलेंडिका नृत्य नाट्य मंच समिति, भोपाल द्वारा किया जाएगा। भारत रंग महोत्सव 2026 का 25वां संस्करण 27 जनवरी से 20 फरवरी तक 25 दिनों में देशभर में आयोजित किया जा रहा है। इसमें 277 से अधिक प्रस्तुतियां 228 भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में मंचित की जा रही हैं, जिनमें कई अल्प-प्रतिनिधित्व वाली भाषाएं भी शामिल हैं। इस महोत्सव में 9 देशों के कलाकारों के साथ भारत के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के नाट्य दल भाग ले रहे हैं। यह आयोजन राष्ट्रीय और वैश्विक सांस्कृतिक संवाद का एक व्यापक मंच बन चुका है।

बीजेपी के पूर्व पार्षद पर रेप का मामला दर्ज

उदयपुर, 13 फरवरी। उदयपुर में भाजपा के पूर्व पार्षद और भाजपा नेता राकेश पोरवाल के खिलाफ शहर के हिरण मगरी थाने में रेप का केस दर्ज हुआ है। पीड़िता की ओर से दर्ज रिपोर्ट में बताया गया कि नौकरी दिलाने का झांसा देकर आरोपी ने उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद पीड़िता बुधवार शाम को पुलिस थाने पहुंची और मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़िता के बयान लेते हुए उसका मेडिकल कराया है। मामले की जांच डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ को सौंपी गई है, जो मामले की जांच में जुटे हैं। वहीं इस संबंध में आरोपी पोरवाल से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनका मोबाइल स्विच ऑफ है। पीड़िता ने रिपोर्ट में बताया कि पूर्व पार्षद राकेश पोरवाल ने राजनीतिक रसूख का हवाला देते हुए मुझे रोजगार दिलाने का भरोसा दिलाया था। कहा था कि अच्छी नौकरी लगवा देगा। इसी कारण वह मुझे बार-बार अपने पास बुलाता रहा। इसी का फायदा उठाकर उसने रेप किया। किसी को भी इस बारे में नहीं बताने की धमकी दी। कुछ माह बीतने के बाद जब युवती को रोजगार नहीं मिला तो पीड़िता ने थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। एसपी योगेश गोयल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच डीएसपी को सौंपी है। मामले में पुलिस साक्ष्य जुटाते हुए आगे कार्रवाई में जुटी है।

अजमेर में महिला को बेहोश कर गहने ले गए बदमाश

अजमेर, 13 फरवरी। अजमेर में एक महिला को घर में नेगेटिव एनर्जी होने का झांसा देकर ठगी का मामला सामने आया है। दो बदमाशों ने घर में घुसकर महिला को बेसुध किया और अलमारी से सोने के जेवर चोरी कर लिए। इसके बाद दोनों बदमाश वहां से फरार हो गए। महिला का बेटा घर पहुंचा और मां को जगाया तो हड़कंप मच गया। मामले की सूचना अलवर गेट थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार गहलोतो की डूंगरी निवासी मंजू पत्नी श्रवण सिंह की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है। बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसके घर पर दो व्यक्ति आए और घर की घंटी बजाई थी। उसने जाकर दरवाजा खोला तो दोनों के द्वारा पानी मांगा गया जिसके बाद वह पानी लेने घर में चली गई। महिला ने पुलिस को बताया कि जब वह पानी लेकर आई तो दोनों घर के अंदर घुस चुके थे। बदमाशों के द्वारा उसे एक कार्ड दिया और कहा कि इस पर फूंक मारिए हमें आपके घर से नकारात्मक एनर्जी महसूस हो रही है। सीसीटीवी में दिखाई दिए बदमाश महिला ने बताया कि वह काला जादू पर विश्वास रखती थी इसी कारण उसने कार्ड पर फूंक मारा तो कुछ समय बाद उसे चक्कर आने लग गए और वह बेसुध हो गई। महिला ने पुलिस को बताया कि इसके बाद दोनों बदमाशों ने उससे कहा कि उसकी अलमारी में उनका सामान रखा हुआ है, वह हमें दे दे। महिला ने बताया कि उसने अलमारी खोली और डेढ़ तोला का मंगलसूत्र, कान की झुमरी और दो तोले की लड़ (चेन) निकाल कर उन्हें दे दी। जब उसका बेटा घर आया और उसे उठाया तो चोरी होने का पता चला। पीड़ित की ओर से तुरंत मामले की सूचना अलवर गेट थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने पहुंच कर मौका मुआयना किया और जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारियों की हड़ताल, नए श्रम कानूम में बदलाव का विरोध

अजमेर रेलवे स्टेशन से रैली निकालकर किया प्रदर्शन, लेबर कोड वापस लिए जाने की मांग

अजमेर, 13 फरवरी। श्रम कानूनों में बदलाव के विरोध में कर्मचारियों ने एक दिवसीय हड़ताल कर अजमेर में जोरदार प्रदर्शन किया। अजमेर रेलवे स्टेशन से रैली निकालते हुए कर्मचारियों ने लेबर कोड वापस लेने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की गई और सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की गई।

राष्ट्रीय श्रम संगठनों के प्रदेश स्तरीय आह्वाहन पर अजमेर में गुरुवार को संयुक्त श्रमिक समन्वय समिति के बैनर तले कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर हैं। कर्मचारी विरोध करते हुए हाथों में तख्तियां लेकर जिला कलेक्टर पहुंचे और जिला कलेक्टर लोकबंधु को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के जरिए नए श्रम कानून में बदलाव करने की मांग की गई। प्रदर्शन में रेलवे, बैंक, बीमा, पोस्ट, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव सहित अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने चार लेबर कोड वापस लिए जाने की मांग को लेकर रेलवे स्टेशन से विरोध रैली निकाली गई। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन के मंडल सचिव मोहन चेलानी ने बताया कि देश के श्रमिकों के हितों से संबंधित 29 श्रम कानून को समाप्त करके 4 नए श्रम कानून को लागू करने से श्रमिकों में रोष है। पुराने श्रम कानून में संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के अधिकार संरक्षित थे। श्रम कानून की पालना के लिए उद्योगपति बाध्य थे।

हाथों में तख्तियां लेकर जिला कलेक्टर पहुंचे और जिला कलेक्टर लोकबंधु को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। चेलानी ने बताया कि लेकिन नए श्रम कानून में श्रमिक हितों से संबंधित मुद्दों पर श्रमिकों के हित शिथिल कर दिए गए हैं और उद्योगपतियों के हितों का अधिक ध्यान रखा गया है। श्रमिक संगठनों ने एक दिवसीय हड़ताल का निर्णय लिया। चेलानी ने बताया कि संगठित क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिक यूनियनों के अधिकारों को ही संकुचित कर दिया गया है, ऐसी स्थिति में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कर्मी मौजूद रहे। चेलानी ने कहा कि नए श्रम कानून 4 लेबर कोड में पुराने 29 श्रम कानून में श्रमिकों को प्राप्त सभी अधिकारों को शामिल करने की कार्रवाई की जाए। जिससे भारत देश की प्रगति के साथ-साथ देश के श्रमिक वर्ग का भी आर्थिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित हो सके।

महिला अधिकारों और जागरुकता का संदेश देती पेंटिंग

वॉल-आर्टिस्ट ने कलेक्ट्रेट की दीवारों पर बनाई, भारत-फ्रांस के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान मजबूत बनाने की पहल

अजमेर, 13 फरवरी। भारत-फ्रांस दूतावास, फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया और एलायंस फ्रांसेज नेटवर्क की ओर से आयोजित वॉल आर्ट फेस्टिवल के तहत महिला अधिकारों और जागरुकता का संदेश देने वाले म्यूरल्स (भित्तिचित्र) बनाए गए हैं। कलेक्ट्रेट और अजमेर क्लब के बाहर की दीवारों पर यह म्यूरल्स रीयूनियन आइलैंड की प्रमुख स्ट्रीट आर्टिस्ट और म्यूरलिस्ट डेय एमकेओ के साथ अलग-अलग संस्थाओं से जुड़े 30 कलाकारों ने बनाए हैं। एडीए कमिश्नर ने भी गुरुवार को वॉल पर पेंटिंग की गई हैं। डेय इससे पहले उदयपुर, जयपुर और जोबनेर में आकर्षक वॉल पेंटिंग्स बना चुकी हैं। वे अजमेर में 14 फरवरी तक प्रवास करेंगी। इस दौरान शहर की दीवारों पर आकर्षक म्यूरल बनाएंगी। डेय की पेंटिंग्स मुख्य रूप से महिलाओं के अधिकारों लैंगिक समानता, नारी सशक्तीकरण और युवाओं की भागीदारी पर केंद्रित होती हैं। वे अपनी कला को एक मंच के रूप में इस्तेमाल करती हैं ताकि संवेदनशील इलाकों में महिलाओं की स्थिति पर आवाज उठा सकें और सामाजिक बदलाव ला सकें। उनकी शैली में जीवंत रंगों का प्रयोग, मजबूत संदेश वाले चित्र और लेटरिंग शामिल होता है।

जयपुर जेल में पत्थर से बंदी का सिर फोड़ा

जमकर मारपीट हुई, गाली-गलौच को लेकर हुआ झगड़ा

जयपुर, 13 फरवरी। जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच झगड़े का मामला सामने आया है। गाली-गलौच की बात पर विचाराधीन बंदियों में मारपीट हुई। जेल प्रशासन की ओर से बंदियों को काबू कर सेल में बंद किया गया। हमले में घायल एक बंदी का स्स्स हॉस्पिटल में इलाज करवाया गया। लालकोठी थाने में जेल प्रशासन की ओर से शिकायत दर्ज करवाई गई है। (लालकोठी) प्रकाश राम विश्नोई ने बताया- जेल प्रशासन की शिकायत पर दो मामले दर्ज किए गए हैं। शिकायत में बताया- वार्ड नंबर-11 की सेल में विचाराधीन बंदी पुनित, नरेन्द्र उर्फ लाली, सचिन, कन्हैया, कोमल और योगेश ने दोपहर करीब 1 बजे उसी वार्ड की सैल में बंद विचाराधीन बंदी राहुल के साथ मारपीट की। नुकीले पत्थर से हमला कर लात-घुसों से मारपीट की। कारापाल प्रबंधक अशोक पारीक सहित जेल प्रशासन मौके पर पहुंचा। बंदियों को काबू पाने के लिए अलार्म बजाकर अतिरिक्त फोर्स बुलाई। इनकी मदद से बंदियों को काबू कर विशेष सेल में बंद किया गया। घायल बंदी राहुल के सिर-पैर में चोट लगने पर स्स्स हॉस्पिटल में इलाज करवाया गया। पुलिस को जांच में पता चला कि जेल के वार्ड नंबर-2 में विचाराधीन बंदी राजेश के साथ सुबह करीब 9:15 बजे विचाराधीन बंदी राहुल ने तीन साथी राहुल, महेन्द्र व मानव के साथ मिलकर मारपीट की। पत्थर से हमला कर बंदी राजेश का सिर फोड़ दिया। इस कारण सिक्योरिटी को देखते हुए बंदी राहुल व उसके साथियों को वार्ड नंबर-11 की सैल में ट्रांसफर किया गया था। जहां बंदी राहुल का सैल में बंद अन्य विचाराधीन बंदियों से झगड़ा हुआ। पुलिस जांच में सामने आया है कि बुधवार को जेल के अंदर बंदियों के बीच हुए दोनों झगड़े का कारण गाली-गलौच है। सुबह बंदी राजेश और राहुल में गाली-गलौच को लेकर एक-दूसरे से झगड़ा हुआ था। वहीं, दूसरा झगड़े में बंदी पुनित ने पूछताछ में बताया- वह हरियाणा की कौशल गैंग से संबंध रखता है। विचाराधीन बंदी राहुल की ओर से उसके भाई कौशल के लिए गाली-गलौच की गई। इस कारण राहुल से मारपीट हुई।

जोधपुर की कायलाना झील में युवक का शव मिला

जोधपुर, 13 फरवरी। जोधपुर की कायलाना झील में बुधवार शाम को युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। जोधपुर की कायलाना झील में बुधवार शाम को युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से बॉडी को पानी से बाहर निकलवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान देवानंद(26) पुत्र प्रीतम दास सिंधी निवासी चौपासनी हाउसिंग बोर्ड के रूप में हुई। देवानंद बोरानाडा इलाके में किराए से रूम लेकर रहता था। तीन दिन पहले 8 जानवरी को उसका बोरानाडा थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज हुआ था। जोधपुर की कायलाना झील में बुधवार शाम को युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र के तहत आने वाली कायलाना चौकी के हेड कॉन्स्टेबल डूंगर सिंह ने बताया कि चौकी इंचार्ज,स्ह्व रावल राम, कॉन्स्टेबल दिनेश और उनकी टीम को आज शाम के समय कायलाना झील में एक बॉडी नजर आने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस ने गोताखोरों को मौके पर बुलाया और शव को पानी से बाहर निकलवाया। उन्होंने बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करता था। मृतक अभी बोरानाडा क्षेत्र में किराए पर रहता था। यहां बोरानाडा थाने में उसकी गुमशुदगी भी दर्ज की गई थी। कायलाना चौकी पुलिस ने बोरानाडा थाना पुलिस को भी सूचना दी।

कुचेरा में बाइक-ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर

नागौर, 13 फरवरी। कुचेरा के अड़वड़-कसनाऊ रोड पर बुधवार शाम करीब 6 बजे बाइक और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस चालक सुरेश छाबा और ईएमटी पूनमचंद टाक मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल युवक को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुचेरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

लेबर कोड के खिलाफ सड़कों पर उतरे मजदूर

सीकर, 13 फरवरी। सीकर में गुरुवार को मजदूर संगठनों ने सीटू के बैनर तले विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सीकर में गुरुवार को मजदूर संगठनों ने सीटू के बैनर तले विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने ढाका भवन से कलेक्ट्रेट तक नारेबाजी करते हुए आक्रोश रैली निकाली। जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फोटो लगे पुतले को फूंका। सीटू के साथ मजदूर संगठनों के अलावा वामपंथी छात्र संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल रहे।

इसके बाद जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। सीकर में गुरुवार को मजदूर संगठनों ने सीटू के बैनर तले विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। मजदूर संगठनों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फोटो लगे पुतले को फूंका। वक्ताओं ने कहा कि आज पूरे प्रदेश के मजदूरों ने सामूहिक हड़ताल की है। बिहार में प्रदर्शन कर रहे मजदूरों के साथ पुलिस ने अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया। केंद्र सरकार ने मजदूर हितैषी 44 नियमों को हटाकर 4 लेबर कोड लागू कर दिए, ये मजदूरों पर कुठराघात है। लेबर कोड में मजदूरों के अधिकार छीनने का काम हुआ है। मजदूरी की गारंटी को खत्म किया जा रहा है। पूर्व विधायक पेमाराम और स्स्नह्व के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जाखड़ ने कहा कि मजदूरों के हक नहीं कुचलने देंगे। केंद्र सरकार ने लेबर कोड लागू करके वेलफेयर बोर्ड के कानून को सोशल सिक्योरिटी कोड में शामिल कर दिया गया है, इससे मजदूरों को लेबर कोड में मिलने वाली सुविधाओं की अब कोई गारंटी नहीं बची है। मजदूरों के हक में लेबर कोड रद्द करने तक ये आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।

सीकर में दो युवतियां लापता, परिजनों की बढ़ी चिंता

सीकर, 13 फरवरी। सीकर जिले में दो युवतियों के लापता होने का मामला सामने आया है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सामने आए इन मामलों ने परिजनों की चिंता बढ़ा दी है। एक मामले में परीक्षा देने गई युवती वापस नहीं लौटी तो दूसरे मामले में दूसरे गांव जाने की कहकर युवती घर वापस नहीं पहुंची।

पुलिस दोनों मामलों में जांच में जुटी है और युवतियों की तलाश के प्रयास जारी हैं। पहला मामला 18 साल की युवती के लापता होने का है। युवती परीक्षा देने के लिए गई थी, लेकिन वापस घर नहीं लौटी। युवती के भाई ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह 11 फरवरी की सुबह करीब 6 बजे अपनी बहन को परीक्षा दिलवाने के लिए कॉलेज के गेट पर छोड़कर आया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंची तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। परिजनों ने कॉलेज परिसर और रिश्तेदारी में पूछताछ की, लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। दूसरा मामला 21 साल की युवती से जुड़ा है। युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि 7 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे उनकी बेटी दूसरे गांव जाने की बात कहकर घर से निकली थी। हालांकि वह न तो बताए गए गांव पहुंची और न ही वापस घर लौटी।

कार्यालय ग्राम पंचायत श्रीबालाजी, पंचायत समिति नागौर(नागौर)

क्रमांक :-ग्रा.पं./निविदा/2025-26/09 दिनांक :- 12.02.2026

ई-निविदा सूचना 03/2025-26

ग्राम पंचायत श्रीबालाजी में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों के लिए राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181(1), राजस्थान लोक उपापन नियम 2013 के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में सक्षम श्रेणी के संवेदकों व विनिर्माताओं से ई-निविदाएें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाऐं निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB No. ZNR2526A1162 Bid No. ZNR2526SWSOB01345
ZNR2526SWSOB01346
ZNR2526SWSOB01347
ZNR2526SWSOB01348

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत श्रीबालाजी, पंचायत समिति, नागौर — प्रशासक, ग्राम पंचायत श्रीबालाजी, पंचायत समिति, नागौर

कार्यालय ग्राम पंचायत सरासनी, पंचायत समिति नागौर(नागौर)

क्रमांक :-ग्रा.पं./निविदा/2025-26/राजकाज/30 दिनांक :- 12.02.2026

ई-निविदा सूचना 05/2025-26

ग्राम पंचायत सरासनी में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों के लिए राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181(1), राजस्थान लोक उपापन नियम 2013 के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में सक्षम श्रेणी के संवेदकों व विनिर्माताओं से ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाऐं निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB No. ZNR2526A1161 Bid No. ZNR2526WSOB01344

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सरासनी, पंचायत समिति, नागौर — प्रशासक, ग्राम पंचायत सरासनी, पंचायत समिति, नागौर

कार्यालय ग्राम पंचायत चाऊ, पंचायत समिति नागौर(नागौर)

क्रमांक :-ग्रा.पं./निविदा/2025-26/19 दिनांक :- 12.02.2026

ई-निविदा सूचना 03/2025-26

ग्राम पंचायत चाऊ में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों के लिए राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181(1), राजस्थान लोक उपापन नियम 2013 के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में सक्षम श्रेणी के संवेदकों व विनिर्माताओं से ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेब पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाऐं निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB No. ZNR2526A1160 Bid No. ZNR2526SWSOB01343

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत चाऊ, पंचायत समिति, नागौर — प्रशासक, ग्राम पंचायत चाऊ, पंचायत समिति, नागौर

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी, नागौर (राज.)

e-mail – dlceo.nagaur@gmail.com

क्रमांक- 3349 दिनांक- 10.02.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या -01/2025-26

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु इस कार्यालय के अधीनस्थ नागौर एवं डीडवाना जिले के 15 ब्लॉक के 76,495 लर्नर्स (प्रत्येक लर्नर हेतु एक नोट बुक, दो पेंसिल, एक शार्पनर, एक रबर एवं एक पोलीबैग) हेतु नोटबुक, पेंसिल, शार्पनर, रबर एवं पोलीबैग सामग्री क्रय करने हेतु वास्तविक रूप से उल्लेखित सामग्री का कार्य करने वाले पंजीकृत विनिर्माताओं/अधिकृत डीलर्स/सद्भावी व्यवहारियों (बोनाफाइड डीलर्स) से निर्धारित निविदा प्रपत्र में प्रक्रिया हेतु मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जीएसटी अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत माल एवं सेवाओं की आपूर्तिकर्ता/फर्मों/संवेदकों जो राजकीय संस्थान/उपक्रमों से निविदा लगाने से विवर्जित/ब्लैक लिस्टेड नहीं हो, निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी http://www.sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देख सकते हैं। कोई संशोधन (यदि आवश्यक हो) केवल उपरोक्त वेबसाइटों/पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा। सभी प्रकार के शुल्क/फीस आदि का भुगतान ई-ग्रास के एकल ई-चालान से निम्नानुसार बजट मद में की जानी है-

fees	budget head	Office ID 1793	Amount to be deposited
Bid Document fee	0075-00-800-52-01	DISTRICT LITERACY AND CONTINUING EDUCATION OFFICER, NAGAUR (Raj.)	500/-
Bid Security Money	8443-00-103-00-00	DISTRICT LITERACY AND CONTINUING EDUCATION OFFICER, NAGAUR (Raj.)	61200/-
Processing fee	8658-00-102-16-01	Managing Director, RISL payable at Jaipur	500/-
		Total Amount of Single E-chalan	62200/-

अनुमानित लागत 30,59,800/- रूपये
NIB CODE :- LIT2526A0061
UBN :- LIT2526GLOB00058

जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी, नागौर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर, 3-ए विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया जे.एल.एन. मार्ग जयपुर से मुद्रित व राजकीय अस्पताल के सामने नागौर से प्रकाशित। सम्पादक- रमेश चन्द्र जैन। फोन : 240071 फैक्स- 01582-247171 जयपुर कार्यालयः डी.एल. टावर 3-ए-विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग, सम्पादक : महेन्द्र कुमार यादव। फोन : 2709102-3, फैक्स : 0141-2709275, अलवर कार्यालय : केडलगंज, अलवर संपादक चंद्रप्रकाश सैनी। फोन : 2335105,2701531 भरतपुर कार्यालयः कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780 | आरएनआई नं. 48413/88